RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:323 ता. 18 जून 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अवैध दरगाह को नोटिस से सुलगा जूनागढ़, भीड़ ने थाने पर किया पथराव और आगजनी

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ में सड़क पर बनी अवैध दरगाह हटाने के नोटिस को लेकर शुक्रवार रात जमकर बवाल हुआ। इस दौरान करीब 300 लोगों की भीड़ ने पुलिस चौकी पर पथराव कर दिया और बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हस हमले एक डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। हिंसा के बाद एक्शन में आई पुलिस ने

करीब 175 लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव है, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस पूरे इलाके में गश्त कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनागढ़ नगर निगम की तरफ से रास्ते बीच में बनी अवैध दरगाह हटाने का नोटिस दिया गया था। दरगाह पर नोटिस चिपकाने के बाद लोग सड़कों पर उतर आए और भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। वहीं, मजेवड़ी चौक स्थित पुलिस चौकी में लोगों ने जमकर तोडफोड़ की और पुलिस टीम पर पथराव करने के साथ ही बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है।

एक व्यक्ति की मौत की खबर-पुलिस के मुताबिक, उपद्रवियों ने हिंसा के दौरान कई गाड़ियां भी फूंक दी। उपद्रव को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इसमें एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है। घटना के बाद से इलाके में काफी तनाव है। यहां बड़ी तादाद में जवानों को तैनात कर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

2024 में कांग्रेस को सिर्फ एक शर्त पर समर्थन, विपक्ष की बैठक से पहले ममता बनर्जी की दो टूक

● पटना में 23 जून को विपक्ष की होने वाली बैठक से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। कहा कि वे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक शर्त पर समर्थन देंगे।

कोलकाता। पटना में 23 जून को विपक्ष की होने वाली बैठक से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि वे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक शर्त पर समर्थन देने को तैयार हैं, अगर राज्य में वे सीपीएम को अपना समर्थन न दें। पंचायत चुनाव में कांग्रेस सीपीएम के साथ चुनाव लड़ रही है। जिससे ममता खासी नाराज हैं। लोकसभा चुनाव से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का मानना है कि अगर ज्यादातर सीटों पर भाजपा के मुकाबले विपक्ष का सिर्फ एक कैंडिडेट उतारा जाए तो भाजपा को 2024 में मात दी जा सकती है। अब ममता की शर्त विपक्षी एकता के लिए झटके की तरह है।

काकद्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यममत्री ममता बनर्जी

ने कहा, ÷कांग्रेस, जिसने कई राज्यों में शासन किया है, बंगाल में वह सीपीएम की सबसे बड़ी सहयोगी है। और अगर वे लोकसभा चुनाव में हमसे समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं तो उन्हें बंगाल में सीपीएम से समर्थन वापस लेना होगा। ममता बनर्जी ने दो टूक शब्दों में कहा, ÷वे संसद में हमारी मदद चाहते हैं। हम अभी भी बीजेपी का विरोध करने के लिए ऐसा करेंगे। लेकिन याद रखें, बंगाल में अगर आप सीपीएम के साथ हैं, तो हमारी मदद लेने (लोकसभा चुनाव में) न आएं।

क्यों भड़की हैं ममता

दरअसल, पश्चिम बंगाल में आगामी पंचायत चुनाव में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। एक तरफ टीएमसी है, दूसरी तरफ बीजेपी और तीसरे मोर्चे में कांग्रेस और सीपीएम साथ चुनाव लड़ने जा रही है। सीपीएम ने 48,646 और कांग्रेस ने 17,750 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। उधर, भाजपा ने पंचायत चुनाव में 56,321 उम्मीदवार उतारे हैं। वाम-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में बायरन बिस्वास ने सागरदिघी उपचुनाव में जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस से किनारा कर दिया था, इससे भी ममता खासी नाराज है।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी और कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी दोनों विपक्षी मुख्यमंत्रियों और नेताओं के साथ 2024 से पहले भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने के लिए एक सप्ताह बाद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि इस तरह का गठबंधन तभी संभव होगा जब कांग्रेस-सीपीएम के बंगाल में अलग-अलग रास्ते हों।

सावधान! दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दौड़ने वाले हर वाहन पर एआई से रखी जाएगी नजर

गुरुग्राम। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। जुलाई के पहले सप्ताह से एक्सप्रेसवे पर ऑटोमैटिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम काम करना शुरू कर देगा। यह सिस्टम ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहनों की पहचान करेगा। इसके बाद संबंधित राज्य की पुलिस को वाहन की फोटो और वीडियो भेजी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस नियमानुसार चालान काटकर वाहन चालक के मोबाइल पर जानकारी भेजेगी। वहीं, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सीमा का चयन कर बोर्ड भी लगाए हैं ताकि पुलिस को जांच करने में आसानी हो।

तेज गति में दौड़ाते हैं वाहन- एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से रोजाना 11 हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। इनमें सबसे ज्यादा ट्रक और कार है। जबकि एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहन, ट्रैक्टर, ऑटो आदि चलाने की अनुमति नहीं है। बावजूद नूंह में नियमों को दरकिनार कर लोग बाइक दौड़ाते हैं। लोग शॉर्ट-कट के चक्कर में वाहनों को गलत दिशा चलाते है। इसके अलावा कुछ कार चालक एक्सप्रेसवे पर ज्यादा स्पीड में वाहनों को चलाते है। एनएचएआई के अनुसार कई बार मार्ग पर कार की स्पीड 200 किलोमीटर से भी

ज्यादा की होती है। एक्सप्रेसवे पर प्रतिबंधित वाहन न चले इसके लिए हर प्रवेश पॉइंट पर बैरिकेडिंग कर मार्शल तैनात किए हैं। 13 फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का 220 किलोमीटर का पहला हिस्सा खोला गया था। जो सोहना के अलीपुर से शुरू होकर राजस्थान के दौसा तक शुरू हुआ। एक्सप्रेसवे पर तब से अब तक एक लाख वाहन चालकों ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है। ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से यह आंकड़ा सामने आया।

तमिलनाडु बीजेपी के सचिव एसजी सूर्या गिरफ्तार, पार्टी बोली- सीएम स्टालिन ला रहे जंगलराज

मदुरै। तमिलनाडु की मदुरै पुलिस ने देर रात राज्य के बीजेपी सचिव एसजी सूर्या को गिरफ्तार कर लिया है। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने दावा किया है कि सूर्या को ÷सामाजिक मुद्दों पर द्रमुक और उसके गठबंधन दल की दोहरी भूमिका की आलोचना करने÷ के लिए गिरफ्तार किया गया है। पार्टी ने सूर्या की गिरफ्तारी को स्टालिन राज में जंगलराज बताया है। उन पर आईपीसी की 153 (ए), 505 (1) (बी), 505 (1) (सी) और 66 (डी) आईटी अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। कुछ सूत्रों ने कहा है कि सूर्या की गिरफ्तारी मदुरै कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के सांसद सु वेंकटेशन के खिलाफ बयान देने के बाद हुई। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी तक गिरफ्तारी के सही कारण की पुष्टि नहीं की है। सूर्या ने विश्वनाथन नाम के एक कम्युनिस्ट पार्षद पर एक स्वच्छता कार्यकर्ता को मल से भरे एक नाले को साफ करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया, जिसके

परिणामस्वरूप एलर्जी के कारण कार्यकर्ता की मौत हो गई। एमपी वेंकटेशन को लिखे पत्र में, सूर्या ने इस घटना की कड़ी आलोचना की, जिसके बारे में उनके समर्थकों ने दावा किया कि इसी वजह से उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

बीजेपी ने जताया विरोध

गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने ट्विटर पर गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, तमिलनाडु भाजपा के राज्य सचिव श्री एसजी सूर्या की रातोंरात गिरफ्तारी बेहद निंदनीय है। उन्हें सामाजिक मुद्दों पर डीएमके और उसकी गठबंधन पार्टी की दोहरी भूमिका की आलोचना करने के लिए गिरफ्तार किया गया है।÷

अन्नामलाई ने आगे लिखा, "DMK, विचारों के साथ आलोचना का मुकाबला करने में असमर्थ, असंतुष्टों को गिरफ्तार करती है और उनकी आवाज़ को चुप कराने की कोशिश करती है। तमिलनाडु में सरकार की गतिविधियों की आलोचना करने वाले को गिरफ्तार करने की एक अलोकतांत्रिक प्रवृत्ति है। सरकार को यह याद रखना चाहिए कि सभी विरोधी आवाज़ों को कुचलने की कोशिश की जा रही है। खुद को अभिव्यक्ति की आजादी के रखवाले के रूप में पेश करना ज्यादा समय तक नहीं चलेगा। भाजपा नेता ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, ÷बीजेपी कार्यकर्ताओं को आलोचना का सामना किए बिना लगातार इस तरह गिरफ्तार करना एक निरंकुश प्रवृत्ति है। बीजेपी कार्यकर्ताओं को इस तरह के दमन से पंगु नहीं बनाया जा सकता है। हमारी आवाज हमेशा लोगों के लिए साहसपूर्वक गूंजती रहेगी।

उपभोक्ता आयोग ने 1 करोड़ 52 लाख का जुर्माना लगाकर परिवादियों को दी राहत

उदयपुर। राज्य उपभोक्ता आयोग, जयपुर से सर्किट बेंच उदयपुर में 34 मामलों का निस्तारण कर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की गयी।

आयोग की बैंच ने इस दौरान दोनों पक्षों की सुनवाई न्यायिक सदस्य सुरेन्द्र कुमार जैन एवं सदस्य शैलेन्द्र भट्ट द्वारा की गयी। इस दौरान प्रकरण कैलाश बनाम रिलायंस इंश्योरेंस कंपनी में परिवादी को अपने ट्रक ट्रेलर के दुर्घटना बीमा के रूप में 23 लाख रूपये विपक्षी बीमा कंपनी से दिलाई गई।

सदस्य शैलेन्द्र भट्ट ने बताया कि परिवादियों ने वर्ष 2014 में फ्लेट बुक करवाये। फ्लेट की कीमत इन परिवादियों द्वारा समय पर दे दी गयी। अन्तिम किस्त देने तक भी फ्लेट के निर्माण नहीं किये गये ना ही 2016 तक उन्हें फ्लेट दिये गये जिससे व्यथित होकर उपभोक्ता आयोग में परिवाद दर्ज करवाया गया। परिवादियां को उनके उनकी जमा करवायी गयी अनुबंध राशि के साथ मानसिक प्रताडना एवं परिवाद व्यय के रूप में 2 लाख प्रति परिवादी दिलवाये गये। उन्होंने बताया कि परिवादी श्रीमती धारा को कुल 28 लाख, वेदप्रकाश को कुल 28 लाख, शिल्प इन्फा को 23, एक अन्य शिल्प इन्फा को 25, राजेश को 21 लाख तथा छठे परिवादी धर्मेश को 27 लाख रुपये दिलवाए गए।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार निशा इन्फा को दंड स्वरूप कुल 1 करोड़ 52 लाख का जुर्माना लगाकर परिवादियों को राहत पहुंचायी।

इसके साथ ही उपभोक्ता कानून 1986 के तहत एवं नये कानून 2019 भारत सरकार के विभिन्न विभाग, राज्य सरकार के विभाग, उपक्रम, बोर्ड, निगम एवं अन्य निजी शॉपिंग मॉल, बाजार से संबंधित दर्ज प्रकरणों की अपीलों की सुनवाई कर उदयपुर संभाग के उपभोक्ताओं को राहत दी गयी।

बढ़ सकती हैं बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें, दिल्ली पुलिस ने जुटाए 'सबूत'

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। महिला पहलवानों द्वारा की गई छह शिकायतों में से कम से कम चार में फोटो सबूत और कथित यौन उत्पीड़न के कम से कम तीन मामलों में वीडियो सबूत का हवाला दिया गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को छह महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न, हमले और पीछा करने के आरोप में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 1500 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया। इसकी सुनवाई 22 जून को होगी। चार्जशीट

में छह पहलवानों की गवाही, 70-80 गवाहों के बयान और तकनीकी सबूत जैसे फोटो, वीडियो और कॉल डिटेल रिकॉर्ड को शामिल किया गया है। सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने शिकायतों की पुष्टि के लिए फोटो और वीडियो साक्ष्य का हवाला दिया है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने चार्जशीट में प्रत्येक शिकायत का अलग से उल्लेख किया है, क्योंकि छह पहलवानों ने अपनी शिकायतों में कई घटनाओं का उल्लेख किया है। प्रत्येक शिकायत के लिए हमने गवाहों, फोटो या वीडियो की पुष्टि करने का हवाला दिया है। छह शिकायतों में से हमने चार में फोटोग्राफिक सबूत संलग्न किए हैं। उन्होंने कहा, शिकायतों में दर्ज कई घटनाएं डब्ल्यूएफआई कार्यालय, टूर्नामेंट, शिविरों और कार्यक्रमों से हैं। हमें कुछ वीडियो भी मिले हैं जिन्हें हमने आरोपों की पुष्टि के लिए अटैच किया है। अब अपराध और सजा की प्रकृति तय करना अदालत पर निर्भर है। हमने केवल शिकायतों से जुड़े तकनीकी सबूत जुटाए हैं। आपको बता दें कि 28 अप्रैल को दर्ज की गई प्राथमिकी में एक पहलवान ने आरोप लगाया कि जब वह मैट पर थी तो बृजभूषण शरण सिंह ने उसकी टी-शर्ट उतारी और सांस लेने या जांचने के बहाने से उसके स्तन पर हाथ रख दिया। एक अन्य पहलवान ने आरोप लगाया कि एक टूर्नामेंट के बाद उन्होंने ने एक टीम फोटोग्राफ के दौरान उसे अनुचित तरीके से छुआ। आपत्ति करने पर जबरन उसे पकड़ लिया।

27 जून को होना है उद्घाटन लेकिन अबतक तैयारियां पूरी नहीं, रांची-पटना वंदे भारत का फिर से होगा ट्रायल रन

रांची। पटना- रांची के बीच प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस का फिर से ट्रायल रन होगा। रेलवे की ओर से इसे इसी हफ्ते दोबारा दौड़ाने की तैयारी है। इससे पहले 12 जून को हुए ट्रायल रन के दौरान परिचालन में कई जगहों पर व्यवधान आया था। इसे पूरी तरह से दूर करने का निर्देश दिया गया है। इधर, ट्रेन को चलाने को लेकर पटना और रांची दोनों जगह तैयारियां जोरों पर हैं। झारखंड से इस ट्रेन को शुरू करने को लेकर रेलवे बोर्ड पर भारी दबाव है। उधर राजेन्द्र नगर कोचिंग कॉम्प्लेक्स में ट्रेन का मेंटेनेंस जारी है। तैयारियों से जुड़े पूर्व मध्य रेल के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार 26 और 27 जून को उद्घाटन को लेकर तैयारी करने को कहा गया है। इधर ट्रेन के किराये के निर्धारण को लेकर अब भी गुणा गणित जारी है। कैटरिंग व अन्य शुल्क क्या होगा इसकी गणना भी की जा रही है। अब तक रेलवे के रिजर्वेशन सिस्टम में किराया फीड नहीं किया गया है।

अब तक पूरी तैयारी नहीं

रांची-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस का उद्घाटन 27 जून को किया जाना है, लेकिन अभी तक पूर्व-मध्य रेलवे हाजीपुर व दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकाता को आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। रेल मंत्रालय से अभी तक

जोनल रेलवे व रांची रेलमंडल को भी कोई पत्र नहीं मिला है। ऐसे में शुभारंभ को लेकर रेलवे जोनल स्तर पर संशय की स्थिति बनी हुई है।

यही वजह है कि रेलवे की ओर से आधिकारिक रूप से वंदेभारत के समय सारणी, किराया, रफ्तार सहित अन्य जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। रेल सूत्रों के अनुसार रेल मंत्रालय 27 जून को पांच वंदेभारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करने जा रहा है। रांची से पटना वंदेभारत ट्रेन का उद्घाटन रांची में होने की संभावना जताई गई है। सुबह 1030 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन जुड़ेंगे और 11 बजे रांची से फ्लैग ऑफ करेंगे। दूसरी ओर रांची रेलमंडल बिना आधिकारिक सूचना मिले अपने स्तर पर इसकी तैयारी भी कर चुका है।

मध्य-पूर्व रेलवे हाजीपुर के सीपीआरओ वीरेंद्र कुमार ने कहा, अभी तक उद्घाटन को लेकर जानकारी नहीं आई है। समयसारणी सहित अन्य जानकारी आती है तो बताएंगे। वहीं, रांची रेलमंडल के सीनियर डीसीएम निशांत कुमार ने बताया कि मंडल को हेडक्वार्टर स्तर पर अभी तक कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। फिर भी अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर हमलोगों ने तैयारी शुरू कर दी है।

रांची-पटना वंदे भारत का फिर होगा ट्रायल रन, 27 जून को उद्घाटन की तैयारी

रांची। पटना- रांची के बीच प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस का फिर से ट्रायल रन होगा। हालांकि रेलवे द्वारा आगामी 27 जून को उद्घाटन करने की तैयारी भी हो रही है। इससे पहले 12 जून को हुए ट्रायल रन के दौरान परिचालन में कई जगहों पर व्यवधान आया था। इसे पूरी तरह से दूर करने का निर्देश दिया गया है। इधर, ट्रेन को चलाने को लेकर पटना और रांची दोनों जगह तैयारियां जोरों पर हैं। बताया जा रहा है कि झारखंड से इस ट्रेन को शुरू करने को लेकर रेलवे बोर्ड पर भारी दबाव है। उधर राजेन्द्र नगर कोचिंग कॉम्प्लेक्स में ट्रेन का मेंटेनेंस जारी है। तैयारियों से जुड़े पूर्व मध्य रेल के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार 26 और 27 जून को उद्घाटन को लेकर तैयारी करने को कहा गया है। इधर ट्रेन के किराये के निर्धारण को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई है। कैटरिंग व अन्य शुल्क क्या होगा इसकी गणना भी की जा रही है। अब तक रेलवे के रिजर्वेशन सिस्टम में किराया फीड नहीं किया गया है। रांची-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस का उद्घाटन 27 जून को किया जाना है, लेकिन अभी तक पूर्व-मध्य रेलवे हाजीपुर व दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकाता को आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। रेल मंत्रालय से अभी तक जोनल रेलवे व रांची रेलमंडल को भी कोई पत्र नहीं मिला है। ऐसे में शुभारंभ को लेकर रेलवे जोनल स्तर पर संशय की स्थिति बनी हुई है। शायद इसी ?लिए रेलवे की ओर से आधिकारिक रूप से वंदेभारत के समय सारणी, किराया, रफ्तार सहित अन्य जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। रेल सूत्रों के अनुसार रेल मंत्रालय 27 जून को पांच वंदेभारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करने जा रहा है। रांची से पटना वंदेभारत ट्रेन का उद्घाटन रांची में होने की संभावना जताई गई है। सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन जुड़ेंगे और 11 बजे रांची से फ्लैग ऑफ करेंगे। दूसरी ओर रांची रेलमंडल बिना आधिकारिक सूचना मिले अपने स्तर पर इसकी तैयारी भी कर चुका है।

अवैध दरगाह को हटाने पर भड़के लोग, पुलिस से झड़प में एक की मौत

जूनागढ़। एक अवैध दरगाह को हटाने के दौरान लोग पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गुजरात के जूनागढ़ में एक अवैध दरगाह को हटाने को लेकर जमकर बवाल मचा। दरअसल, दरगाह के अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन ने पहले नोटिस जारी किया था जिसे लेकर लोग भड़क गए और पुलिस कर्मियों के साथ भिड़ गए। इस दौरान उपद्रवियों की इस भीड़ ने मजेवड़ी चौक स्थित पुलिस चौकी पर पथराव किया। वहीं शुक्रवार की रात भड़की झड़पों में एक व्यक्ति की कथित रूप से मौत हो गई, जिसमें लोगों के एक बड़े समूह ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। जूनागढ़ नगर निगम ने सड़क के बीचोबीच बनी अवैध निर्माण दरगाह को नोटिस जारी कर पांच दिनों के भीतर दस्तावेज पेश करने को कहा है। जिस पर कथित अतिक्रमण विरोधी अभियान से नाराज, 500-600 लोग मजेवाड़ी गेट के पास स्थित दरगाह के पास एकत्र हुए और पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया, संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस वाहनों में आग लगा दी। जूनागढ़ के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने बताया कि मजेवाड़ी गेट के पास एक मस्जिद को जूनागढ़ नगर निगम द्वारा पांच दिनों के भीतर दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस दिया गया था। कल लगभग 500-600 लोग वहां जमा हुए थे। पुलिस समझाने की कोशिश कर रही थी। प्रदर्शनकारियों को सड़क जाम नहीं करना चाहिए। एसपी ने कहा रात करीब 10.15 बजे पथराव किया गया और लोगों ने पुलिस पर हमला किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। इस घटना में कुछ पुलिस कर्मी घायल हो गए। हमने 174 लोगों को घेर लिया है। पथराव के कारण एक नागरिक की प्रथम दृष्टया मौत हो गई है। आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने हैदराबाद में वायु सेना अकादमी में सीजीपी का निरीक्षण किया

हैदराबाद । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति मूर्मू शुक्रवार शाम को दो दिवसीय दौरे पर हैदराबाद पहुंची। पूरे सैन्य वैभव के साथ 211वें कोर्स के सीजीपी को भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के मांगलिक और चुनौतीपूर्ण प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करना था। वह सीजीपी की मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी (आरओ) हैं। सीजीपी प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करता है। फ्लाइट कैडेटों के कंधों पर रैंक का अनावरण किया जाता है, जो राष्ट्रपति आयोग के पुरस्कार का प्रतिनिधित्व करता है। आरओ ने कैडेटों से सीने पर विंग्स और ब्रेवेट्स भी पिन किए, जो इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें किस शाखा में कमीशन किया जा रहा है। परेड के बाद पिलाटस पीसी-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट एरोबैटिक प्रदर्शन करेगा। इसके बाद एक फ्लाई पास्ट होगा। पीसी-7 में सुखोई-30 द्वारा एक एरोबेटिक शो और हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम सारंग और सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा सिंक्रोनस एरोबेटिक डिस्प्ले शामिल हैं। अकादमी में 119 फ्लाइट कैडेटों ने प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। एएफए के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब श्रीमती मुर्मू ने आईएएफ परेड का निरीक्षण किया। वहीं वर्तमान कोर्स एएफए से पास आउट होने वाला 211वां बैच है। इस अवसर पर भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के आठ-आठ अधिकारियों के साथ-साथ दो वियतनामी प्रशिक्षु अधिकारियों को भी सफलतापूर्वक उड़ान प्रशिक्षण पूरा करने पर विंग्स से सम्मानित किया गया। इस मौके पर तेलंगाना की राज्यपाल एवं पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी उपस्थित रहे।

मॉर्निंग प्रेयर में शिक्षक ने बजाई अजान, पेरेंट्स के विरोध के बाद हुआ सस्पेंड

मुंबई। मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) में कपोल इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को स्कूल प्रार्थना के दौरान अजान बजने से बवाल मच गया है। छात्रों के माता-पिता और भाजपा की मुंबई इकाई ने भी स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के स्थानीय विधायक योगेश सागर भी स्कूल के बाहर पहुंचे और प्रदर्शनकारी अभिभावकों में शामिल हो गए। इस मामले में प्रेयर कराने वाले शिक्षक को दोषी ठहराया गया है। योगेश सागर ने स्कूल पर शिक्षक को बचाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और शिक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। डीसीपी अजय कुमार बंसल ने मीडिया को बताया कि आज शनिवार को कांदिवली में एक शिकायत मिली कि एक स्कूल में सुबह की प्रेयर के दौरान 'अजान' बजाई गई। पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली है और जांच शुरू हो गई है। मामले की सभी एंगल से जांच की जाएगी. सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्कूल प्रिंसिपल डॉक्टर रेशमा हेगड़े ने बताया कि अज़ान बजाने के लिए जिम्मेदार शिक्षक को निलंबित कर दिया गया। यह एक हिंदू स्कूल है और हमारी प्रार्थनाओं में गायत्री मंत्र और सरस्वती वंदना शामिल है। हम आश्वस्त करना चाहते हैं कि भविष्य में इस तरह की घटना को दोहराया नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्पीकर पर अज़ान बजाना महाराष्ट्र में पहले से ही एक राजनीतिक मुद्दा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने पिछले साल महाराष्ट्र में लाउडस्पीकरों पर अज़ान के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था। मनसे प्रमुख ने कहा था कि अगर लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ता मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा बजाएंगे।

आदिपुरुष की दुनियाभर से कमाई का आंकड़ा हो सकता है 150 करोड़ के पार

नई दिल्ली। मूवी आदिपुरुष की दुनियाभर से कमाई का आंकड़ा 150 करोड़ के पार हो सकता है। आदिपुरुष ने आलोचकों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मीम्स के बावजूद शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर भारी ओपनिंग दर्ज की। शुरुआती अनुमान हिंदी वर्जन के लिए लगभग 36-38 करोड़ के कलेक्शन और सभी भाषाओं में 90 करोड़ का घरेलू कलेक्शन किया है। महामारी के बाद पठान और केजीएफ 2 के बाद हिंदी फिल्म के लिए यह तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग है। फिल्म में प्रभास राघव के रूप में कृति सेनन जानकी के रूप में और सैफ अली खान लंकेश के रूप में हैं। यह ओम राउत की निर्देशित है, जो अपनी आखिरी ब्लॉकबस्टर तानाजी- द अनसंग वॉरियर के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से आदिपुरुष रिलीज हुई है लोग सोशल मीडिया पर ओम राउत को ट्रोल कर रहे हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अगर हिंदी सर्किट और बाकी साउथ इंडिया में तेलुगू संस्करण के कलेक्शन को ध्यान में रखा जाए, तो आदिपुरुष ने भारत में पहले दिन लगभग 90 करोड़ का नेट बिजनेस किया है। ग्रॉस में यह आंकड़ा 110 से 112 करोड़ है।

पीएम मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर को बदल कर रख दिया : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा त्रिपुरा के दौरे पर है। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर उन्होंने शनिवार को अगरतला में एक जनसभा को संबोधित किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इन 9 सालों में भारत की तस्वीर और तकदीर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने बदल डाला है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत का नाम भ्रष्टाचारी देशों में सम्मिलित था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीए की सरकार में 2014 में ना जमीन छोड़ी, ना आकाश छोड़ा, ना पाताल छोड़ा, तीनों जगह भ्रष्टाचार ही किया...आज मोदी जी ने 13,125 किलोमीटर की सड़क बनाकर सारे बॉर्डर को सुरक्षित कर दिया है।

नड्डा ने कहा कि 2014 के बाद पीएम मोदी ने भारत को निर्णय लेने वाला और मजबूत देश बना दिया है। उन्होंने कहा कि आज भारत एके-203 जैसी राइफल बना रहा है, प्रचंड हेलीकॉप्टर बना रहा है और हमने आईएनएस विक्रांत जैसा लड़ाकू जहाज भी बना कर दिखा दिया है और आज वहां भारतीय सेना के बेड़े में शामिल है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करके भारत की सुरक्षा को मजबूत किया गया है।

नडडा ने कहा कि हम नारा लगाते थे कि एक देश में दो निशान-दो विधान नहीं चलने दिए जाएंगे। इस पर हमारी सरकार ने धारा-370 को धराशायी कर दिया और कश्मीर को संपूर्णता के साथ भारत से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि डोकलाम के समय चीन की फौज खड़ी तब भारत की फौज भी डट कर खड़ी रही और उन्हें वहीं पर ही रोके रखा। नड्डा ने कहा कि हम दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था थे लेकिन आज मोदी जी के नेतृत्व में हम ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत 470 एयरबस विमान खरीदने जा रहा है और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कहते हैं कि वर्ष 2050 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

चंद्रयान -3 का प्रक्षेपण करके इसरो रचेगा इतिहास

श्रीहरिकोटा । यदि चंद्रयान -3 सफल रहा तो इसरो द्वारा एक नया इतिहास रच दिया जायेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने सोमवार को यहां कहा कि अगर सभी परीक्षण सफल रहे तो चंद्रमा की सतह पर उतरने के भारत के महत्वाकांक्षी मिशन 'चंद्रयान-3 का 12 से 19 जुलाई के बीच प्रक्षेपण किया जाएगा। इसरो द्वारा कोथावारा सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद सोमनाथ ने मीडिया से कहा कि चंद्रयान पहले ही यू आर राव उपग्रह केंद्र से श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में प्रक्षेपण पैड पर पहुंच चुका है। सोमनाथ ने कहा कि अंतिम तैयारी चल रही है। इसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, इस प्रक्षेपण के लिए रॉकेट, एलवीएम-3 का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए सभी पुर्जे श्रीहरिकोटा पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि रॉकेट के पुर्जों को जोड़ने का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा और फिर चंद्रयान-3 को रॉकेट से जोड़ने की प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि यह भी जून के अंतिम हफ्ते में किया जाएगा और इसके बाद कई परीक्षण होंगे। सोमनाथ ने कहा कि 12 से 19 जुलाई के बीच प्रक्षेपण के लिए अनुकूल स्थिति है और हम इसे केवल तभी प्रक्षेपित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे बाद में भी कर सकते हैं लेकिन हमें ईंधन का नुकसान होगा। हालांकि, प्रक्षेपण संबंधित अवधि के दौरान तभी किया जाएगा जब सभी परीक्षण सफल हो जाएंगे।

कांग्रेस में शामिल होने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा : नितिन गडकरी

-कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए ऑफर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कही यह बात

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा है कि कांग्रेस में शामिल होने की बजाय वह कुएं में कूदना पसंद करेंगे। नितिन गडकरी ने कहा कि एक नेता ने उन्हें एक बार कांग्रेस में शामिल होने की सलाह दी थी, जिसके जवाब में उन्होंने कहा था कि वह उस पार्टी का सदस्य बनने के बजाय कुएं में कूद जाएंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के 60 साल के शासन में हुए कार्यों की तुलना में भाजपा की सरकार ने पिछले नौ साल में देश में दोगुना काम किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को महाराष्ट्र के भंडारा में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा में अपने कार्य के शुरुआती दिनों को याद किया और पार्टी के अब तक के सफर को लेकर बात की। उन्होंने कांग्रेस के दिवंगत नेता श्रीकांत जिचकर द्वारा एक बार उन्हें दी गई सलाह को भी याद किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि श्रीकांत जिचकर ने एक बार मुझसे कहा था-'आप एक बहुत अच्छे पार्टी कार्यकर्ता और नेता हैं। यदि आप कांग्रेस में शामिल हो जाते हैं, तो आपका भविष्य बहुत उज्ज्वल रहेगा', लेकिन मैंने उनसे कहा था कि मैं कांग्रेस में शामिल होने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा, क्योंकि मेरा भाजपा और उसकी विचारधारा में मजबूत भरोसा है तथा मैं इसके लिए काम करना जारी रखूंगा। गडकरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के लिए काम करते समय युवावस्था में उनमें मूल्यों को स्थापित करने के लिए संघ की भी सराहना की।

कांग्रेस के बारे में अपने विचार जाहिर करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि पार्टी बनने के बाद से कई बार टूट चुकी है। हमें अपने देश के लोकतंत्र के इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। हमें भविष्य के लिए अतीत से सीखना चाहिए। अपने 60 वर्ष के शासन के दौरान कांग्रेस ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, लेकिन अपने निजी लाभ के लिए उसने कई शैक्षणिक संस्थान खोले।' नितिन गडकरी ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

ममता ने कांग्रेस से कहा- सीपीएम से गठबंधन किया तो नहीं मिलेगी टीएमसी से मदद

- विपक्ष को एकजुट करने में लगे नीतीश कुमार के सामने ममता ने खड़ा कर दिया बड़ा संकट

कोलकाता (एजेंसी)। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष की एकता की कोशिशों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि अगर कांग्रेस ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम-एम) के साथ बंगाल में गठबंधन किया तो उसे फिर टीएमसी से किसी तरह की मदद मिलने की उम्मीद नहीं पालनी चाहिए। पटना में 23 जून को विपक्ष की एकता के लिए एक बड़ी बैठक से पहले ममता बनर्जी के इस बयान ने अब विपक्ष को एकजुट करने में लगे नीतीश कुमार के सामने एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। काकद्वीप में एक जनसभा में ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस का कई राज्यों में शासन है, सीपीएम बंगाल में उनकी सबसे बड़ी सहयोगी है। वे भाजपा के बड़े सहयोगी हैं और वे संसद में हमारी मदद चाहते हैं। हम अभी भी बीजेपी का विरोध करने के लिए ऐसा करेंगे लेकिन याद रखें, बंगाल में अगर आप सीपीएम के साथ गठबंधन में हैं, तो लोकसभा चुनाव में हमारी मदद लेने न आएं। ममता बनर्जी के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं के साथ 2024 से पहले भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने के लिए एक हफ्ते बाद मिलने की उम्मीद है। हालांकि ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस-सीपीएम समझौते के कारण इस तरह का गठबंधन बंगाल में काम नहीं कर सकता है।

कांग्रेस और सीपीएम के गठबंधन पर ममता का ये बयान बंगाल में पंचायत चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले को देखते हुए आया है, जिसमें कांग्रेस और सीपीएम एक साथ तृणमूल और भाजपा के खिलाफ गठबंधन में लड़ रहे हैं। सीपीएम ने 48,646 और कांग्रेस ने 17,750 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। एक साथ में सीपीएम-कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा की तुलना में अधिक उम्मीदवार उतारे हैं, जिसने 56,321 उम्मीदवार उतारे हैं। गौरतलब है कि वाम-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में बायरन बिस्वास की सागरदिघी उपचुनाव में जीत और बाद में तृणमूल में उनके दलबदल ने भी ममता के कांगेस पार्टी के साथ संबंधों में दरार पैदा कर दी है।

बगावत के एक माह पूर्व ही हमें पता चल गया था, एकनाथ शिंदे बनने जा रहे मुख्यमंत्री: नितिन देशमुख

-नितिन देशमुख के मीडिया से किए दावे पर महाराष्ट्र में सियासी बवाल

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में साल 2019 में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन टूट गया था और शिवसेना ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी सरकार की स्थापना की थी। महाविकास अघाड़ी की सरकार में उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। उद्धव ठाकरे सरकार ने अपना ढाई साल का कार्यकाल पूरा किया था। हालांकि, पिछले साल तत्कालीन शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने समर्थक विधायकों से बगावत कर दी थी। एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को नकारते हुए बीजेपी के साथ गठबंधन किया और एकनाथ शिंदे राज्य के सीएम बने। उद्धव ठाकरे गुट के नेता (सचिव) और एक्टर आदेश बांदेकर ने महाराष्ट्र के अकोला-बालापुर के विधायक नितिन देशमुख और धाराशिव (उस्मानाबाद) विधायक कैलास घाडगे-पाटिल ने मीडिया से बातचीत की है। इसमें नितिन देशमुख और कैलास पाटिल ने बड़े खुलासे किए हैं। नितिन देशमुख ने कहा कि एक महीने पहले ही सब पता चल गया था। उद्धव गुट के विधायक नितिन देशमुख ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि बगावत के एक महीने पहले ही हमें पता चल गया था कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

मॉनसून पर बिपरजॉय ने लगाया ब्रेक, अधिकांश हिस्सों में देर से पहुंचने की सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात बिपरजॉय ने भले ही अपना रौद्र रूप दिखा दिया है, लेकिन इसके कारण मानसून की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। हालांकि भारत के इतिहास में सबसे लंबी अवधि का चक्रवात था। इसके फीके पड़ने के बाद भी इसका असर कुछ और दिनों तक महसूस किया जा सकता है। चक्रवात के कारण गुजरात के पश्चिमी तट और इससे सटे राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश हुई है। आने वाले दिनों में इसके कारण उत्तर पश्चिम भारत के विभिन्न हिस्सों में बारिश होगी। गौरतलब कि देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून के आने में देरी हो सकती है। इसका कारण चक्रवात को बताया जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून आने से पहले चक्रवात का बनना कोई असामान्य घटना नहीं है। इस साल, बिपरजॉय लगभग एक साथ अस्तित्व में आया जब मॉनसून केरल तट से टकराने वाला था। आम तौर पर मॉनसून की शुरुआत के दौरान अरब सागर में चक्रवात देश में मॉनसून के लिए अच्छा नहीं माना जाता है, क्योंकि यह हवा के पैटर्न को बदलता है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि चक्रवात बिपरजॉय 6 जून को एक चक्रवाती तूफान बन गया और शुरुआत में इसने मॉनसून को केरल और आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचने में मदद की। शुरुआती दिनों में मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए फायदेमंद था, लेकिन जब उत्तर की ओर बढ़ा तो समाप्त हो गया। चक्रवात ने हवा की ताकत को बिगाड़ दिया और जमीन पर हवा की दिशा को भी प्रभावित किया। मॉनसून को आगे बढ़ने और बारिश के लिए उच्च समुद्री सतह के तापमान और नमी की भी आवश्यकता होती है। गहरे अवसाद में कमजोर होने के बाद भी बिपराजॉय का प्रभाव कम से कम 2-3 दिनों तक जारी रहेगा। अब देश के शेष हिस्सों में मॉनसून का आगमन 21 जून से होगा।

कर्नाटक में कांग्रेस जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा दे रही : भाजपा

पटना (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने पिछली भाजपा सरकार के कई फैसलों को पलट रही है। इसी कड़ी में कर्नाटक मंत्रिमंडल ने भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लाए गए धर्मांतरण रोधी कानून को निरस्त करने का फैसला किया था। इस भाजपा कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा ने कांग्रेस पर जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा देने का आरोप लगा दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने कांग्रेस पर निशाना साधकर पूछा कि क्या वह जबरन धर्मांतरण के पक्ष में है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा जबरन धर्मांतरण के लिए कानून लेकर आई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा दे रही है, उन लोगों को लाईसेंस दे रही है जो धर्मांतरण करा रहे हैं। मैंने संत गनों से अनुरोध किया है कि हिंदू समाज की रक्षा करना आपकी जिम्मेदारी है। आप महापंचायत कर कांग्रेस के इस निर्णय के खिलाफ संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण विरोधी कानून बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी भी धोखाधड़ी के माध्यम से धर्म परिवर्तन पर रोक लगाता है,तब कांग्रेस पार्टी का क्या रुख है, क्या वे जबरन धर्म परिवर्तन के पक्ष में हैं।

कांग्रेस सरकार से धर्मांतरण रोधी कानून को निरस्त करने के उसके फैसले को वापस लेने की मांग कर भाजपा की कर्नाटक इकाई ने आगामी दिनों में पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की शुक्रवार को चेतावनी दी। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए कांग्रेस सरकार ''धर्मांतरण के लिए ब्रांड एंबेसडर'' बनकर कर्नाटक को ''टीपू सुल्तान युग'' में वापस धकेल रही है। भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री आर.अशोक ने कहा, ''कर्नाटक में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य में एक बार फिर से 'टीपू युग' की शुरुआत की नींव रख दी गई है। कांग्रेस ने धर्म परिवर्तन का ब्रांड एंबेसडर बनने का फैसला किया है।''

2000 के नोट वापस आने से बैंकों का डिपाजिट 3.26 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। रिजर्व बैंक द्वारा 2000 रूपये के नोट सितंबर माह से बंद करने के फैसले का लाभ, बैंकों द्यऔर देश की अर्थव्यवस्था को मिला है। 2 जून को खत्म हुए पखवाड़े में बैंक की डिपॉजिट राशि 3.26 लाख करोड़ बढ़कर 187.2 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। रिजर्व बैंक के इस फैसले का यह फायदा हुआ है। 19 मई 2023 को खत्म हुए पखवाड़े में बैंक की डिपॉजिट राशि 59623 करोड रुपए घटकर 183.74 लाख करोड़ रुपए रह गई थी।

पांच हजार करोड़ का नुकसान कर गया तूफानी चक्रवात बिपरजॉय

-5 लाख टन नमक बहा ले गया अपने साथ, उद्योग-धंधे हुए प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय आया जरुर लेकिन पांच हजार करोड़ रुपयों का नुकसान कर गया। इसके साथ ही तटीय क्षेत्रों के तमाम उद्योग धंधों को भी बुरी तरह से प्रभावित कर गया है। समुद्र से तट की ओर आए इस तूफान ने कच्छ समेत गुजरात के तयीय इलाकों में भारी तबाही मचाई। तूफान के चलते आर्थिक रूपससे बड़ा नुकसान हुआ है। खासकर उद्योग धंधे और इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। शुरुआती रिपोर्ट की माने तो बिपरजॉय साइक्लोन के चलते करीब 5000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये तूफान 500000 टन नमक अपने साथ बहा ले लिया। यहां के अनेक बंदरगाहों पर भारी तबाही मची है। तूफान के लैंडफॉल के बाद वहां मची तबाही के चलते पोर्ट्स बंद है। लाखों की संख्या में पेड़ उखड़ गए हैं, हाईवे पानी से भरा है, सड़क यातायात बंद है। जिसके चलते पोर्ट का पूरा ऑपरेशन ठप है। गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मुताबिक इस तूफान ने करीब 5000 करोड़ का नुकसान पहुंचाया है। यहां उद्योग-धंधे को दोबारा से शुरु करने में वक्त लग रहा है। बिजली के खंभे उखड़ चुके है। बिजली-टेलीकॉम सर्विस बाधित है।

गौरतलब है कि सौराष्ट्र-कच्छ रीजन में सीमेंट, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, पोर्ट्स, साल्ट मैन्यूफैक्चरिंग समेत छोटे-बड़े उद्योगों का पूरा हब है। ये एरिया इस तूफान की वजह से बुरी तरह से प्रभावित है। कच्छ इलाका नमक के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। यहां रोज 2 लाख टन नमक का उत्पादन होता है। बिपरजॉय की वजह सबसे ज्यादा नमक इंडस्ट्री को नुकसान हुआ है। कच्छे के मोरबी, नवलखी इलाके में इस तूफान के कारण 5 लाख टन से अधिक का नमक बह गया है। नमक के कारोबार को हुए इस नुकसान के बाद नमक की कीमत में बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलूभाई जडेजा के मुताबिक इस तूफान के कारण

करीब 500 नमक उद्योगों को भारी नुकसान हुआ है।

खौफनाक घटना के आरोपी का किया महिमामंडन, कनाडा में लगे खालिस्तान समर्थक रैली के पोस्टर

ओटावा। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की अक्सर भारत विरोधी गतिविधियां देखने को मिलती रहती हैं। अब 1985 में एयर इंडिया बम धमाकों के कथित मास्टरमाइंड तलविंदर परमार का महिमामंडन करते हुए खालिस्तान समर्थक रैली के पोस्टर कनाडा में कई जगहों पर देखे गए। पोस्टर में अलगाववादी नेता को शहीद भाई तलविंदर परमार के रूप में संदर्भित किया गया और 25 जून को दोपहर 12.30 बजे एक कार रैली को लेकर विज्ञापन दिया गया है। इसके अलावा पोस्टर ने 1985 कनिष्क बम विस्फोट में भारत की भूमिका की जांच की मांग की गई। ब्रिटेन और अमेरिका के अलावा कनाडा में भारतीय उच्चायोग पर खालिस्तान समर्थक हमलों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार कनाडाई खालिस्तानियों ने एयर इंडिया पर बमबारी करने वाले मनोरोगी तलविंदर परमार को अपने पोस्टर बॉय के रूप में चुना है, जिसने निर्दोष 331 मासूमों की हत्या कर दी। बता दें कि करीब 37 साल पहले 23 जून 1985 को अटलांटिक महासागर के ऊपर जो धमाका हुआ था, उसकी गूंज आज तक भी रह-रहकर सुनाई देती है। अटलांटिक महासागर के ऊपर ये धमाका एयर इंडिया के बोईंग 747-237बी में हुआ था।

नेपाल के पूर्व उप-प्रधानमंत्री सहित 16 लोगों को भेजा हिरासत में

- सभी पर धोखाधड़ी, ठगी व संगठित अपराध का आरोप

काठमांडू। नेपाल में भूटानी शरणार्थी घोटाले मामले की आगे की जांच के लिए नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री सहित 16 लोगों को शुक्रवार को हिरासत में भेज दिया गया है। हिरासत में भेजे गए इन लोगों ने कथित रूप से नेपाली नागरिकों से भारी मात्रा में धन लेकर उन्हें भूटानी शरणार्थियों के रूप में विदेश भेजने का वादा किया था। अधिकारियों के अनुसार काठमांडू जिला अदालत ने शुक्रवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री तोप बहादुर रायमांझी, पूर्व गृहमंत्री बालकृष्ण खांड, सरकार के सचिव (निलंबित) टेक नारायण पांडे, पूर्व गृहमंत्री राम बहादुर थापा के सुरक्षा सलाहकार डॉक्टर इन्द्रजीत राय और भूटान के शरणार्थी नेता टेकनाथ रिजाल को घोटाले में आगे की जांच के लिए हिरासत में भेजा है। इन सभी पर धोखाधड़ी, ठगी और संगठित अपराध का आरोप है। न्यायमूर्ति प्रेम प्रसाद नुपाने की पीठ ने हालांकि दो आरोपियों टंका गुरुंग और लक्ष्मी महाराजन को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

आईएसआईएस के आतंकियों ने 25 लोगों को गोली मारकर मौत के घाट उतारा

- पश्चिमी युगांडा में एक स्कूल पर हमला कर वारदात को दिया अंजाम

युगांडा। इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादियों ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की सीमा के पास पश्चिमी युगांडा में एक स्कूल पर हमला कर दिया। इस आतंकवादी हमले में 25 लोगों की मौत हो गई। युगांडा पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्वी कांगो स्थित युगांडा के एक समूह एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज के सदस्यों ने 16 जून की देर रात मपोंडवे में लुबिरिरा सेकंडरी स्कूल पर हमला किया। इसके अलावा छात्रावास में आग लगा दिया और खाना भी लूट कर ले गए। युगांडा पुलिस ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अब तक स्कूल से 25 शव बरामद कर बवेरा अस्पताल भेजे जा चुके हैं। बवेरा अस्पताल में आठ पीड़ित की गंभीर स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मीडिया को यह नहीं बताया कि मरने वालों में कितने स्कूली बच्चे हैं। पुलिस ने कहा कि सैनिक, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के विरुंगा नेशनल पार्क की ओर भाग रहे हमलावरों का पीछा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में एडीएफ ने कांगो के पूर्वी लोकतांत्रिक गणराज्य में एक गांव पर हमला किया था, जिसमें कम से कम 20 लोग मारे गए। युगांडा ने एडीएफ से लड़ने में मदद के लिए कांगो में सेना भेजी है।

नाटो ने समुद्र के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन, तारों की सुरक्षा कड़ी की

ब्रसेल्स। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने समुद्र के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन और तारों की सुरक्षा के लिए एक नया केंद्र स्थापित किया है। नाटो ने नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन पर हुए हमले और रूस द्वारा यूरोप के समुद्री क्षेत्र में पश्चिमी देशों के ऊर्जा एवं इंटरनेट सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का मानचित्रण करने संबंधी चिंताओं के बीच यह कदम उठाया है। नाटो देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा उत्तर-पश्चिम लंदन के नॉर्थवुड में इस नए केंद्र की स्थापना संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद केंद्र के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हैंस वर्नल वियनमन ने कहा, खतरा लगातार बढ़ रहा है। ब्रसेल्स स्थित नाटो मुख्यालय में पत्रकारों से मुखातिब वियरमन ने कहा, रूसी जहाजों ने समुद्र के नीचे मौजूद हमारे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का सक्रिय रूप से मानचित्रण किया है। इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं कि पश्चिमी देशों में आम जनजीवन को बाधित करने की कोशिशों के तहत रूस समुद्र के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है। नाटो पिछले साल सितंबर में बाल्टिक सागर में स्थित दो गैस पाइपलाइन (नॉर्ड स्ट्रीम1 और नॉर्ड स्ट्रीम2) पर हमले के बाद हरकत में आ गया। इन दोनों पाइपलाइन का निर्माण जर्मनी में रूसी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए किया गया था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले के पीछे किसका हाथ था। हमले के लिए आधिकारिक तौर पर किसी को जिम्मेदार भी नहीं ठहराया गया, लेकिन नाटो ने इसके बाद बाल्टिक सागर और नॉर्थ सी में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है।

पीएमएल-एन के अध्यक्ष चुने गए शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पार्टी पीएमएल-एन ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अध्यक्ष जबकि मरियम नवाज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की आम परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें कई पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। एहसान इकबाल को पार्टी का महासचिव चुना गया है। इसके अलावा मरियम औरंगजेब को सूचना सचिव, अताउल्ला तरार को उप सचिव जबकि इस्हाक दार को वित्त एवं विदेश मामलों का सचिव चुना गया।

सूडान में लगातार बिगड़ती जा रही मानवीय स्थिति : संयुक्त राष्ट्र

- चिकित्सा और मानवीय संपत्तियों की लूट बड़े पैमाने पर जारी

जिनेवा। सूडान में हिंसक संघर्ष के तीसरे महीने में प्रवेश करने के साथ ही देश भर में मानवीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने यह बात कही है। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक ग्रिफिथ्स ने चेतावनी दी कि सूडान के दारफुर में स्थिति मानवीय आपदा में बदल रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 17 लाख लोग अब आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, जबकि करीब 5 लाख लोगों ने सूडान के बाहर शरण मांगी है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि चिकित्सा और मानवीय संपत्तियों की लूट बड़े पैमाने पर जारी है और किसान अपनी भूमि तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे खाद्य असुरक्षा का खतरा बढ़ गया है और लिंग आधारित हिंसा की खबरों में भी वृद्धि हुई है। ग्रिफिथ्स ने एक बयान में कहा कि मैं विशेष रूप से दारफुर की स्थितियों को लेकर चिंतित हूं। दारफुर तेजी से मानवीय आपदा में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि भयानक मानवीय स्थितियों के अलावा दारफुर में अंतर-सांप्रदायिक हिंसा फैल रही है, जो 20 साल पहले घातक संघर्ष को भड़काने वाले जातीय तनाव को फिर से शुरू करने की धमकी दे रही है। उन्होंने कहा कि हिंसा मानवीय प्रयासों में बाधा बन रही है। उन्होंने सूडान के अन्य हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी देशों से आपूर्ति और कर्मियों की आवाजाही सुनिश्चित करने का आग्रह किया, जहां लगभग 9 मिलियन लोगों को सहायता की आवश्यकता है। सूडानी डॉक्टर्स यूनियन ने अपने लेटेस्ट अपडेट में कहा कि सूडानी सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच पहली बार 15 अप्रैल को संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 958 लोग मारे गए हैं,।

ओहियो-श्रेणी की अमेरिकी परमाणु-संचालित पनडुब्बी यूएसएस मिशिगन (एसएसजीएन 727) दक्षिण कोरिया के बुसान में एक बंदरगाह पर पहुंची।

इमरान खान के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कार्रवाई शुरू

- पीटीआई पार्टी के नेताओं के इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर से कुल 23 लिंक एफआईए को भेजे गए

करांची। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर पाकिस्तान सरकार की नकेल और भी कसती जा रही है। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तानी मीडिया में इमरान खान को ढूंढना या उनके नाम या फोटो का जिक्र तक करना मुश्किल हो गया है। अब उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के कई अन्य नेताओं के सोशल मीडिया प्रोफाइल को संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के साथ साझा किया है ताकि 8 मार्च से 9 मई के बीच विवादास्पद राज्य-विरोधी सामग्री को कथित रूप से साझा करने के लिए फॉरेंसिक परीक्षण किया जा सके। यहां के एक टीवी चैनल ने पुलिस के विवरण का हवाला देते हुए बताया कि खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेताओं के इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर से कुल 23 लिंक एफआईए को भेजे गए हैं। एफआईए संघीय अपराधों की जांच करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की प्रमुख एजेंसी है। पुलिस ने कहा कि साझा किए गए लिंक पीटीआई नेताओं शाह महमूद कुरैशी, मुराद सईद और हम्माद अजहर के वीडियो और पोस्ट पर आधारित हैं और राजनीतिक नेताओं के बयान भी 9 मई की हिंसा के मामलों पर संयुक्त जांच दल की अंतिम रिपोर्ट का हिस्सा होंगे।

पुलिस ने कहा कि प्रसिद्ध पीटीआई व्यक्तित्व और सोशल मीडिया हैंडलर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री साझा करते रहे। साझा किए गए लिंक में निहित कथित रूप से राज्य विरोधी बयानों पर वीडियो और पोस्ट पर एक फोरेंसिक परीक्षण किया जा रहा है। लिंक्स की फॉरेंसिक रिपोर्ट को जांच रिपोर्ट का हिस्सा बनाया जाएगा। सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को राज्य के खिलाफ भड़काया गया। इससे पहले 14 मई को, इस्लामाबाद पुलिस ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा के लिए 564 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पीएम मोदी-बाइडन वार्ता में व्यापक महत्व के पांच महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा -भारतीय राजदूत संधू

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। वाशिंगटन। अमेरिका में नियुक्त भारत के राजदूत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की अगले हफ्ते होने वाली बैठक में पांच व्यापक महत्व के क्षेत्रों--स्वास्थ्य देखभाल, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और रक्षा--पर चर्चा होने की उम्मीद है, जो संयुक्त बयान में प्रदर्शित होगा। भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा से एक दिन पहले आई है। मोदी 20 जून को न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोहों का नेतृत्व करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री वाशिंगटन डीसी जाएंगे, जहां उनकी अगवानी राष्ट्रपति बाइडन और प्रथम महिला (उनकी पत्नी) जिल बाइडन करेंगी। वहां मोदी अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे और ऐतिहासिक रात्रिभोज में शामिल होंगे।

संधू ने एक साक्षात्कार में कहा, ''इस साल की शुरूआत में दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों--अजीत डोभाल और जेक सुलिवन--ने महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक पहल की शुरूआत की। सुलिवन, डोभाल के साथ वार्ता के

लिए भारत आये थे। भारतीय राजदूत ने कहा, ''प्रौद्योगिकी का न केवल एक वाणिज्यिक पहलू है बल्कि यह एक बहुत मजबूत रणनीतिक पक्ष भी है। प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए विश्वास महत्वपूर्ण आधार है।'' प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान चर्चा किये जाने वाले पांच बड़े मुद्दों में स्वास्थ्य देखभाल, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''वहनीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, वहनीय दवाइयां, वहनीय टीके, और प्रशिक्षण, शोध आदि इसका हिस्सा होंगे। दूसरे स्थान पर प्रौद्योगिकी है जो आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी), डिजिटल स्टार्टअप नवाचार है।ये सभी एक समूह में हैं।''

संधू ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''इसके बाद नवीकरणीय समूह है, जिसमें सौर और हाइड्रोजन (ऊर्जा) शामिल है।'' उन्होंने शिक्षा के विषय पर कहा, ''भारत में, हमारी एक नयी शिक्षा नीति है। बेशक, यहां मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि अभी दो लाख भारतीय छात्र (अमेरिका में) हैं...यह एक महत्वपूर्ण संबंध है। लेकिन नयी शिक्षा नीति के तहत संयुक्त डिग्री और शोध कार्य के लिए दोनों देशों के शिक्षण संस्थानों के बीच संबंध स्थापित करने की दिशा में बढ़ा जा रहा।'' संधू ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अमेरिका के कई कुलपतियों और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से बात की है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में अमेरिका एक प्रौद्योगिकी महाशक्ति है और भारत उभरती प्रौद्योगिकी वाला देश है। इसलिए, यह समन्वय संपर्क स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि संबंध अब नयी ऊंचाइयों को छूने जा रहे हैं और यात्रा के कई पहलू हैं, जो उस ओर इंगित करते हैं। संधू ने कहा, ''...यह (यात्रा) दोनों नेताओं को एकसाथ समय बिताने और परस्पर हित के कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।'' उन्होंने कहा, ''आप कई क्षेत्रों में यह देखेंगे कि काफी सहयोग हो रहा है, साथ मिल कर काम किया जा रहा, और इसका ना सिर्फ अमेरिका और भारत पर, बल्कि कई तीसरे देशों पर भी प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि दोनों नेताओं के बीच एक मजबूत संबंध है और इस दौरान वे कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

संधू ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अमेरिका और भारत साझेदारी कर सकते हैं। उदाहरण के लिए कोरबेवैक्स नाम का एक टीका है, जिसे बेयलर कॉलेज ने विकसित किया है लेकिन इसका भारी मात्रा में उत्पादन भारतीय जैवप्रौद्योगिकी एवं बायोफार्मास्यूटिकल कंपनी बीआईओई कर रही है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कई बार अमेरिका का दौरा किया है और उनकी हर यात्रा एक अलग तरह की यात्रा रही है। प्रत्येक यात्रा में हमेशा कुछ न कुछ नया पहलू रहा है। लेकिन यह एक (आधिकारिक) राजकीय यात्रा है और इसके अपने विशेष मायने हैं।

युद्ध विराम के लिए 7 देशों कि प्रतिनिधि पहुंचेंगे रूस, पुतिन से करेंगे शांति की पहल

कीव (एजेंसी)। सात अफ्रीकी नेताओं का समूह रुस पहुंचकर राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर यूक्रेन में शांति बहाल करने की अपील करेगा। बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अफ्रीकी नेताओं के एक समूह से आग्रह किया कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर क्रीमिया और अन्य क्षेत्रों में बंदी बनाए गए राजनीतिक कैदियों को रिहा करने का दबाव बनाए। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा शनिवार को होने वाली अफ्रीकी नेताओं की रूस यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। लगभग 16 महीने पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करने में रूस और यूक्रेन की मदद करने के लिए शुरू किए गए शांति मिशन के तहत सात अफ्रीकी नेताओं- कोमोरोस, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया के राष्ट्रपति, मिस्र के प्रधानमंत्री और कांगो गणराज्य और युगांडा के शीर्ष दूतों ने शुक्रवार को कीव का दौरा किया था। ये अफ्रीकी नेता शनिवार को रूसी शहर सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा करेंगे, जहां वे पुतिन से मिलेंगे। गौरतलब है कि यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए शुरू किया गया यह शांति मिशन अफ्रीकी नेताओं की ओर से किया गया अपनी तरह का पहला प्रयास है। इससे पहले, चीन भी इस तरह की शांति पहल कर चुका है। अफ्रीकी देशों के लिए यह मिशन अतिरिक्त महत्व रखता है, क्योंकि वे खाद्यान्न और उर्वरक की आपूर्ति के लिए रूस और यूक्रेन पर निर्भर हैं। इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति और अफ्रीकी देशों के नेताओं ने बंद दरवाजे के भीतर बैठक की।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने जेलेंस्की और चार अफ्रीकी देशों के प्रमुखों के साथ एक संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि यह संघर्ष अफ्रीका को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। मैं समझता हूं कि यूक्रेन के लोगों को लगता है कि उन्हें हार नहीं माननी चाहिए और लड़ाई जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति की राह बहुत मुश्किल है। अफ्रीकी नेताओं का यह प्रतिनिधिमंडल युद्ध को लेकर अफ्रीकी देशों के भिन्न रुख का प्रतिनिधित्व करता है। दक्षिण अफ्रीका, सेनेगल और युगांडा ने जहां युद्ध को लेकर मॉस्को की निंदा करने से परहेज किया है। वहीं, मिस्र, जाम्बिया और कोमोरोस ने पिछले साले संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मॉस्को के आक्रमण की निंदा करते हुए रूस के खिलाफ मतदान किया था।

ब्रिटेन में सुनक सरकार ने अवैध अप्रवासन पर बड़ी कार्रवाई की

-105 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

लंदन (एजेंसी)। अवैध अप्रवासन पर एक बड़ी कार्रवाई कर ब्रिटेन में प्रवर्तन अधिकारियों ने 20 से अधिक शहरों के 105 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया, जो देश में अवैध रूप से काम करते मिले। गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रव्यापी अभियान में रेस्तरां, कार वॉश, नेल बार, नाई की दुकानों और सुविधा स्टोर सहित वाणिज्यिक परिसरों में एक दिन में 300 से अधिक आव्रजन अधिकारियों को देखा गया। गृह मंत्रालय ने कहा कि संदिग्धों को अवैध काम करने और झूठे दस्तावेज रखने सहित कुछ स्थानों पर जब्त की गई नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से 40 से अधिक को गृह कार्यालय द्वारा हिरासत में लिया गया, यूके से उनका निष्कासन लंबित है, शेष संदिग्धों को अप्रवासन जमानत पर रिहा किया गया। उम्मीद है कि कई गिरफ्तारियों के चलते यूके से स्वैच्छिक प्रस्थान होगा। 20 से अधिक अलग-अलग राष्ट्रीयताओं के अपराधी ब्रिटेन में अवैध काम करते पाए गए।

गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने कहा, अवैध काम हमारे समुदायों को नुकसान पहुंचाता है, ईमानदार कर्मचारियों को रोजगार से बाहर कर देता है और जनता को धोखा देता है क्योंकि कोई कर नहीं चुकाया जाता है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने निर्धारित किया है, हम अपने कानूनों और सीमाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कार्रवाई के दिन के हिस्से के रूप में काम पर अप्रवासन प्रवर्तन अधिकारियों का निरीक्षण करने के लिए उत्तरी लंदन के ब्रेंट में सुबह की यात्रा में भाग लिया।

कंगाल पाकिस्तान के कटोरे में चीन ने डाला एक अरब डॉलर, मिलेगी राहत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ऋण को पुनर्जीवित करने की अनिश्चितता के बीच आर्थिक तंगहाली झेल रहे पाकिस्तान के कटोरे में उससे अजीज दोस्त चीन ने खैरात डाल दिया है। पाकिस्तान को अपने करीबी सहयोगी चीन से 1 बिलियन प्राप्त हुआ है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने इस बारे में कोई अन्य विवरण साझा किए बिना चीन से राशि प्राप्त करने की पुष्टि की है। ये लगभग 3.9 बिलियन डॉलर के भंडार में जुड़ जाएगा। इससे पहले, वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले सोमवार को चीन को 1.3 बिलियन डॉलर के वाणिज्यिक कर्ज को जल्द से जल्द मुहैया कराने का

अनुरोध किया था।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था डिफॉल्ट के कगार पर है। आईएमएफ ने उसे 6.5 अरब डॉलर की ऋण सहायता देने की 2019 में सहमति जताई थी, लेकिन इसमें से 2.5 अरब डॉलर उसे नहीं मिल सकती है। पाकिस्तान आईएमएफ से मदद नहीं मिलने की स्थिति में अपनी अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए एक विकल्प की तलाश कर रहा है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि चीन उसे चार अरब डॉलर का द्विपक्षीय ऋण देगा।

आईएमएएफ के बेलआउट पैकेज पर नहीं बनी बात

पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने अपने बयान में कहा था कि वित्त मंत्री ने नौवीं समीक्षा के पूरा होने पर आईएमएफ के साथ बातचीत के बारे में चीन के चार्ज डी अफेयर्स को अपडेट किया। हालांकि, हैरत की बात है कि तमाम कोशिशों के बावजूद पाकिस्तानी हुकूमत और आईएमएएफ मुल्क को दिवालिया होने से बचाने के उद्देश्य से 1.1 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज पर स्टाफ लेवल एग्रीमेंट तक पहुंचने में विफल रहे।

मंत्री आसिफ का चुबाने वाला बयान....पाकिस्तान में लाशों को दफन करने आते प्रवासी पाकिस्तानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की कंगाली के बीच शहबाज के प्रमुख मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानियों को बेशर्म कहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा कि ये लोग हैं जो यहां सिर्फ लाशों को दफनाने के लिए आते हैं। उनके बयान को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ पाकिस्तानी-डिसेंट ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने आड़े हाथों लिया है। पाक नेशनल असेंबली में रक्षा मंत्री आसिफ द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है।

अपने भाषण के दौरान, आसिफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में पाकिस्तानी प्रवासियों का जिक्र करते हुए निंदा और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान के बाहर बैठे अंग्रेजी बोलने वाले कह रहे हैं कि रेमिटेंस बंद कर दिया जाएगा... रेमिटेंस खाड़ी देशों द्वारा भेजा जाता है। कोई कनाडा में रह रहा है, कोई अमेरिका में... ये बेशर्म लोग हैं, ये वतन में आकर सिर्फ लाशों को दफनाने के लिए आते हैं और फिर वापस चले जाते हैं।

वहीं मंत्री आसिफ की टिप्पणी की एपीपीएनए ने कड़ी आलोचना की है। अमेरिका में पाकिस्तानियों के लिए काम करने वाले संगठन ने उन्हें उत्तरी अमेरिका और यूरोप में पाकिस्तानियों के प्रति स्पष्ट रूप से तिरस्कारपूर्ण करार दिया। एपीपीएनए ने जोर देकर कहा कि पश्चिमी दुनिया, विशेष रूप से उत्तरी अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी डायस्पोरा ने हमेशा पाकिस्तान के कल्याण को प्राथमिकता दी है। राष्ट्र के लिए उनकी अनगिनत सेवाओं ने उन्हें सम्मान और गौरव प्रदान किया है, जिससे वे वैश्विक समुदाय में पाकिस्तान के सच्चे राजदूत बन गए हैं।

संगठन ने आसिफ की अपमानजनक टिप्पणियों पर अपनी निराशा व्यक्त कर इस पर जोर दिया कि राजनीतिक मतभेदों को घृणास्पद बयानबाजी से रहित नागरिक संवाद के माध्यम से संबोधित किया जाना चाहिए। एपीपीएनए ने रक्षा मंत्री आसिफ की टिप्पणियों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से उनके इस दावे पर कि उत्तरी अमेरिका या यूरोप के प्रवासी पाकिस्तानी केवल अपने बुजुर्गों को दफनाने या संपत्ति बेचने के उद्देश्य से पाकिस्तान जाते हैं।

संगठन ने इन टिप्पणियों को अपमानजनक और बेहद खराब माना, इस बात पर बल दिया कि ऐसी भावनाओं को कभी भी स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। एपीपीएनए ने नेशनल असेंबली के सदस्यों के

प्रति भी निराशा व्यक्त की, जिन्होंने आसिफ के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। संगठन ने सुझाव दिया कि एनए अध्यक्ष को इस बयान पर गौर करना चाहिए था और इन घृणित शब्दों को संसदीय रिकॉर्ड से निकाल देना चाहिए था।

संपादकीय

अति सर्वत्र वर्जयेत्

हम अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में देख ले अति का परिणाम अच्छा नहीं होता है । वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानव चिन्तन जो सर्वाधिक प्रचलित हैं वो यह हैं की धन में घड़ी के हर समय वृद्धि हो वो अतिऔर अति आदि हो सब ठीक हैं लेकिन उसमें इंच मात्र भी कमी नहीं पड़नी चाहिये ।इस तरह संसार के भोगो में आसक्ति या पापयुक्तकामों में हम गहरे से गहरे धँसते जा रहे हैं । अपच होने का कारण आवश्यकता से अधिक सेवन करना होता है ,वो चाहे किसी भी क्षेत्र मेंहो ।विवेकपूर्ण मर्यादा और सीमा में किया गया सदुपयोग हमें किसी भी चीज के अपच से बचाता है।अनावश्यक चिंतन,अनावश्यकबोलना,अनावश्यक कायिक प्रवृति करना अपच का कारण बनता है।अति सर्वत्र वर्जयेत क्योंकि वो अपच का कारण है। हम नए सिरे सेऔर कर्म बन्धन से बचें ,जागरूकता बरतते हुए और बंधे हुए को समतापूर्वक सहन करें आत्मविश्वास और मनोबल को मजबूत बनातेहुए। हर प्राणी दु:ख से डरता है । दु:ख को पैदा भी वह स्वयं करता है। अपने प्रमाद के कारण दु:ख पैदा करता हैं ।

जीवन में दु:ख यत्र तत्र सर्वत्र हैं । यह एक प्रक्रिया हैं दु:ख, दु:ख का कारण और उसका निवारण। दु:ख होता है पाप के कारण। कर्म केगहन बन्ध करने से डरें, बंधे हुए को भोगने में नहीं,क्योंकि हम कर्मबांधने में स्वतंत्र है,भोगने में नहीं ,ये हमेशा हमारा चिंतन चलता रहे तोहम जागरूक रहते हुए कर्मबन्ध से काफी हद तक बच सकते हैं ।यहीं हमारे लिए काम्य है। अत: शतप्रतिशत सही है उक्ति अति सर्वत्रवर्जयेत् की।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

1857 आजादी की क्रान्ति भारतीय इतिहास का सूर्य महारानी लक्ष्मीबाई

(लेखक - सुनील माथुर/ 18 जूनबलिदान दिवस पर विशेष)

11 मई 1857 का सैनिक विद्रोह अंग्रेजो के खिलाफ देश को आजाद कराने के लिए महान क्रांतिकारियों ने महारानी लक्ष्मीबाई क नेतृत्व में अंग्रेजो से स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी । झांसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व आकर्षक दर्पण साबित होता है। प्रसिद्ध कवियत्री सुभद्रा कुमारी चैहान ने लिखा था- बुन्देलो हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी लक्ष्मीबाई का मूल नाम मणिकर्णिका था स्वतंत्रता सेनानीयों की अधिष्ठात्री,1857 जन क्रान्ति की महान सेना नायक और अंग्रेजी शासन की जडों को हिला देने वाली महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म कार्तिक वदी 14 विक्रम संवत 1892 कार्तिक वदी 14 (19 नबम्बर 1835) मेंबनारस (काशी) में हुआ था। वह इतिहास में मनु के नाम से विख्यात हुई। मनु के पिता मोरोपंथ तांबे मूलत: सतारा महाराष्ट्र के रहने वाले थे। वे बाजीराज पेशवा के बिठूर के दरवार में कार्य करते थे। उन्होने अपनी पत्नी के देहान्त के बाद अपनी पुत्री का पालन पोषण बड़े ही प्यार से किया। उन्होंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा मुँहबोले भाई नाना साहब पेशवा के साथ प्राप्त की थी। अद्वितीय साहस वीरता एवं निर्भीकता के कारण उनकी शिक्षा दीक्षा राजकीय ढंग से हुई। झांसी के राजा गंगाधर राव नेवालकर की पहली पत्नी का देहान्त होने तथा उसकी कोई संतान न होने के कारण झांसी का कोई उत्तराधिकारी नहीं था इसलिये झांसी के राजा के राजा को सभी दरबारियों ने सलाह देकर राजा गंगाधर राव को दूसरी शादी करने की सलाह दी 13 वर्ष की आयु में मनु का विवाह राजा गंगाधर राव से हो गया। झांसी में मनु का नाम बदलकर महारानी लक्ष्मीबाई हो गया। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को एक पुत्र की प्राप्ति हुई पर दुर्भाग्य से चार महीने की अल्प आयु में ही उनका निधन हो गया उत्तराधिकारी चाहिये था तो उन्होंने दामोदर राव नाम के एक बालक को गोद ले लिया। अंग्रेजो ने नीति बनाई थी जिस राज्य का उत्तराधिकारी नहीं होगा उस राज्य पर अंग्रेजो का अधिकार हो जायेगा। 21 नबम्बर 1853 को हृदयाघात से झांसी के राजा गंगाधर राव झांसी के राजा की मृत्यु हो गई। तब महारानी लक्ष्मीबाई ने झांसी का शासन का कार्य कुशलतापूर्वक अपने हाथ में लिया और उसका संचालन किया । झांसी का कोई वैध उत्तराधिकारी नहीं था ।

लार्ड डलहौजी ने विलय नीति के अन्तर्गत झांसी पर अधिकार करने के लिये महारानी लक्ष्मीबाई पर दबाब डाला। डलहौजी अंग्रेजो का सबसे महत्वाकांक्षी व साम्राज्यवादी गर्वनर जनरल था। भारत में अंग्रेजी साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था इसलिये उसने विलय नीति लागू की। उसने कई राज्यों को अपनी इस नीति के कारण हड़प लिया। कोई भी भारतीय शासन ओरस पुत्र के अभाव में दत्तक पुत्र को अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं कर सकता इस अंग्रेजो की नीति के खिलाफ महारानी लक्ष्मीबाई ने जोरदार विरोध किया।उनकी इस रणनीति में नाना साहब पेशवा, तात्याटोपे, बिहार के कुंवर सिंह, दिल्ली के मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर, बेगम हजरत महल के गोहद व भिण्ड के राजा भी महारानी लक्ष्मीबाई के साथ थे। अंग्रेजो को मार भगाने के लिये तथा क्रांति का दिन 11 मई 1857 निर्धारित किया गया। झांसी की रानी के किले को अंग्रेजो ने चारो तरफ से घेर लिया तथा कई दिनों तक अपने तोपचियों एवं सैनिकों के साथ अंग्रेजो से मुकाबला करती रहीं। महारानी लक्ष्मीबाई को उनके दरबारियों ने सलाह दी कि अंग्रेजो का मुकाबला किले के अन्दर से नही बाहर से करना होगा। महारानी लक्ष्मीबाई अपने सैनिकों के साथ अपने गोद लिये पुत्र दामोदर राव को पीठ पर बांधकर किले से बाहर निकली और उनके सैनिक अंग्रेज सैनिकों पर टूट पड़े। महारानी लक्ष्मीबाई का साथ कई स्टेटे के राजा महाराजा, तात्या टोपे आदि क्रांतिकारी दे रहे थे। कालपी छोड़ने के बाद रानी बांदा के नबाब और तात्या टोपे की राजनीति के तहत जब 28 मई 1857 को राब साहब आमन गांव (ग्वालियर के निकट) इस आशय से पहुंचे कि जीवाजीराव उन्हें अंग्रेजों के विरूद्ध सैनिक सहायता तथा युद्ध में साथ देंगे, परन्तु उन्हें निराशा ही हाथ लगी। सहायता के स्थान पर जीवाजीराव के चार सौ पैदल और डेढ़ सौ घुड़सवारों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। लेकिन तात्या टोपे ने उन सैनिकों को समझाने व उनमें देशभक्ति व स्वातंत्रय संघर्ष का मंत्र फूंक कर उन्हें आजादी के मार्ग का रोड़ा न बनने के लिए प्रोत्साहित किया। महारानी लक्ष्मी बाई अंग्रेजी सेना से लड़ते हुये शिवपुरी होते हुये अपने सैनिको के साथ ग्वालियर आई थी। राव साहब संघर्ष के लिये आगे बढ़ गए और 30 मई 1857 को पेशवा की सेना आमन गॉव पहुंच गई। पेशवा ने पूरी तैयारी के साथ मुरार छावनी में पड़ाव डाल दिया। दिनकार राव ग्वालियर स्टेट के रेंजीमेन्ट थे अंग्रेजो के आदेश पर ही कार्य करते थे। जीवाजीराव का जन्म भागीरथ छिन्दे के रूप में 19 जनवरी 1835 को हनुमन्त राव के पुत्र के रूप में जन्म हुआ। ग्वालियर के तत्कालीन महाराजा तृतीय मराठा सरदार जानकोजी राव की मृत्यु सन 1843 में हुई जीवाजीराव सिधिया को 22 फरवरी 1843 को राजगददी पर बैठाया गया। 1857 की क्रान्ति के समय जीवाजीराव की उम्र - 22 वर्ष थी। महाराजा जीवाजीराव व दिनकर राव सरदारों ने थोड़ा सा युद्ध किया परन्तु वे रानी की वीरता के सामने टिक न सके दिनाकर राव के कहने पर जीवाजीराव सिधिया ग्वालियर छोडकर और पराजित होकर आगरा भाग गए। ग्वालियर पर पेशवा व महारानी लक्ष्मीबाई का अधिकार हो गया । ग्वालियर रियासत में महारानी लक्ष्मीबाई की फौज का गोला बारूद खत्म हो गया था तथा आर्थिक तंगी से सेना जूझ रही थी। 1857 की क्रांति के समय महारानी लक्ष्मीबाई और उनके सेनानायक राव साहब, तात्या टोपे आदि क्रांतिवीर ग्वालियर के रणक्षेत्र में अंग्रेजों के विरूद्ध डटे हुये थे परन्तु लक्ष्मीबाई के सैनिकों को कई माह से वेतन नहीं मिला था न ही राशन पानी का समुचित प्रबंध नहीं हो पा रहा था, तब सिंधिया नरेश के राजकोष गंगाजली (खजाना)कोषालय के प्रधान का चार्ज अमरचन्द बाठिया के पास था। 2 जून 1857 को राव साहब ने अमरचन्द बाँठिया को कहा कि उन्हें सैनिकों को वेतन आदि भुगतान करना है, क्या वे इसमें सहयोग करेंगे। 5 जून 1857 के दिन राव साहब के साथ अमर चन्द्र बाँठिया जी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए क्रांतिकारियों की मदद की और ग्वालियर का गंगाजली राजकोष लक्ष्मीबाई एवं स्वत्रंता सैनिको के हवाले कर दिया।

तत्कालीन परिस्थितियों में श्री बाँठिया का निर्णय महत्वपूर्ण था। इसका विवरण सेन्ट्रल इण्डिया एजेन्सी ऑफिसमें ग्वालियर रेजीडेन्सी की एक फाइल 1261 राष्ट्रीय अभिलेखागार,नई दिल्ली में है क्रांतिकारी सैनिकों को 5-5 माह का वेतन वितरित किया गया। अमरचन्द बाठिया की सहायता से क्रांतिकारी के हौसले बुलन्द हो गये थे उन्होने अंग्रेजी सेनाओं के दात खटटे कर दिये थे । ग्वालियर पर कब्जा कर लिया था। गर्वनर जनरल ह्यूरोज ने अपनी सेना के साथ महारानी लक्ष्मीबाई से युद्ध किया जिसमें महारानी लक्ष्मीबाई गम्भीर रूप से घायल हो गई। अंग्रेजो की एक गोली महारानी लक्ष्मीबाई की गर्दन पर लगी जिससे वो युद्ध लड़ने में असमर्थ हो गई महारानी लक्ष्मीबाई जहाँ अंग्रेजों से युद्ध लड़ रही थी वहीं पर बाबा गंगादास जी की कुटिया कुछ ही दूरी पर थी । बाबा गंगादास के कहने पर क्रांतिकारी सन्यासियों ने अंग्रेजों से भाले तलवार से लड़ाई लड़ रहें थे इस लडाई में 100 से ज्यादा साधु देश की अजादी के लिये शहीद हो गये । आज भी उनकी समाधि बाबा गंगादास की शाला में बनी हुई है। बाबा गंगादास के कहने पर महारानी लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटिया में घायल अवस्था में लाया गया बाबा गंगादास जी महारानी लक्ष्मीबाई को गंगाजल पिलाया और महारानी लक्ष्मीबाई ने अपने 18 जून 1857 को प्राण देश के लिये न्यौछावर कर दिये। बाबा गंगादास जी के कहने पर देश भक्त सन्यासियों ने घास फूस की कुटिया की चिता बनाकर महारानी लक्ष्मीबाई का अंतिम संस्कार कर दिया उनका शरीर अंग्रेजो के हाथ न लगे पाये। महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान के चार दिन बाद 22 जून 1957 को ग्वालियर में ही राजद्रोह के अपराध में न्याय का ढोग रचकर सराफा बाजार में ब्रिगेडियर नैपियर व ग्वालियर महाराज जीवाजीराव द्वारा नीम के पेड़ पर लटकाकर अमरचन्द्र बाठिया जी को फांसी दे दी गई । 4 दिन तक शहीद अमरचन्द्र वाठिया का शरीर पेड़ से लटका रहा आज उनक वंशज कानपुर उत्तर प्रदेश में रहते है।

इस लडाई में 290 अंग्रेज भी मारे गये थे जिनकी कब्र ग्वालियर किलें व मुरार में बनी हुई है। 1857 की कांन्ति के बाद झॉसी का किला बिटिश फौज के कब्जें में आ गया था। उस समय झॉसी ध्वज जिस पर हनुमान जी की छवि अंकित थी तथा काफी बहूमूल्य समान हाथ लगा था। जिसे राजपूताना रायफल को सौप दिया गया था। बहूमूल्य सामान भी राजपूताना रायफल से चोरी हो गया। वर्तमान में महारानी लक्ष्मी बाई की वंशज खजराना गणेश जी के पास में तथा नागपुर में झॉसी वालो के नाम से रहते है।

महारानी लक्ष्मीबाई के वंशज आज भी गुमनामी का जीवन जी रहे है। दामोदर राव को महारानी लक्ष्मीबाई ने विश्वास पूर्ण सिपाहसालार जवाहर सिंह रामचन्द्र राव देशमुख से किसी तरह दामोदर राव को जीवित बचा कर ले जाने को कहा । उनके साथ 60 साथी 20 घोडे, व 20 ऊँट थे। शिवपुरी के पास दामोदर राव शरण लिये हुये थे उस समय दामोदार की तबियत ज्यादा खराब हो गई ।

जिस जागीरदार ने अपने यहॉ ठहराया था उसके बदले 10 घोडे ,12 ऊट तथा 500 रूपये दामोदारस के सेवादारो से लिया था। कुछ समय बाद उनके साथी नन्ने खा, रिसालरदार एवं गणपतराव मराठा दल छोड़कर चल दिये रामचन्द्र राव देशमुख तथा जवाहरसिंह ने निर्णय लिया कि शिवपुरी की पास पाटन सैनिक छावनी के इन्चार्ज मेजर फिल्क दयालु ईसान था मेजर फिल्क से मिला जाये और दामोदर राव के प्राण रक्षा की गुहार लगाई जायें पर कैसे रानी की अन्तिम धरोहर जो महारानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर दास की रक्षा के लिये दी थी वो हाथ का सोने का कडा करीब 32 तोले का था उसे बेचा गया उस रकम को लेकर, इंदौर के राजा होल्कर के पास ले जाया गया इदौर के राजा होल्कर ने अंग्रजो से अपनी वफादारी निभाने के लिये इसकी सूचना ब्रिटेश सरकार के मेजर फिल्क दी थी।दामोदर दास को अंग्रेज अधिकारी सर रिचमड शेक्सपियर के पास ले गये अंग्रेजो के कहने पर दामोदर दास को पीली कोठी इन्दौर में रखा गया । कई रियासतों के निवेदन पर अंग्रेजो ने 10000/- रूपये सालाना दामोदर राव की पेंशन बांध दी। दामोदर राव की पहली पत्नि का निधन हो जाने के बाद उनका दूसरा विवाह हुआ जिससें उन्हे लक्ष्मणराव पुत्र हुये। इन्दौर में रहते हुये दामोदर राव की शिक्षा हुई लक्ष्मण राव पुत्र कृष्ण राव, विश्वास राव हुये इंदौर में ही सारा जीवन दामोदर दास ने गुजारा। दामोदार राव जी की मृत्यु 18 मई 1906 को इन्दौर में हुई दामोदर राव जी ने मृत्यु से पूर्व शेष जीवन इन्दौर में ही गुजारा ।

पिता : एक अडिग सुरक्षा स्तम्भ

(18 जून -फादर्स डे पर विशेष/लेखक- डॉ. रीना रवि मालपानी)

माँ से मिलती ममता। तो पिता से मिलती जीवन जीने की अनमोल क्षमता॥

माँ भूल जाती लालन-पालन में अपना दुःख। तो पिता भी दिन-रात के कालचक्र में छोड़ देता अपना सुख॥

माँ का एहसास हमेशा हमें नजदीक महसूस होता है, उसकी ममता एवं कोमलता हमें बहुत प्रभावित करती है, परंतु पिता के संरक्षण एवं सुरक्षा का क्या? धन संग्रह एवं जरूरतों को पूरा करने में खर्च होने वाला पिता सदैव मौन रहकर व्यवस्थाओं के समुचित संचालन में प्रयासरत रहता है। उसकी दूरगामी चिंताओं का आकलन शायद कोई नहीं कर पाता। कई बार जीवन-यापन को बेहतर बनाने की दिशा में पिता को बच्चों के साथ समय व्यतीत करने का समय भी कम उपलब्ध हो पाता है। इसके पश्चात भी उसके चेहरे पर शिकन की कोई रेखा नहीं होती। वह अपने बच्चों की मीठी सी मुस्कान में पूरे दिन का दर्द भूल जाता है। उसका लक्ष्य केवल परिवार की खुशियों को पूर्णता की ओर ले जाना होता है।

माँ के होते है हम दुलारे और प्यारे। पर जीवन की संघर्ष यात्रा होती पिता के सहारे॥

माँ है जीवन का एक किनारा। तो पिता भी सुधारता हर दम हमारी गलतियों का पिटारा॥

माँ का भोलापन एवं उसकी सरलता तो हमारे दिलों को छु जाती है, परंतु पिता की कठोरता के पीछे छुपी मंशा हम समझने में असमर्थ रहते है। वह पिता भी उस बचपन के दौर से गुजरा है। वह भी जानता है कि बच्चे को सरलता प्रियकर है पर उसकी कठोरता सदैव बच्चे को सक्षम एवं समर्थ बनाने की दिशा प्रदान करती है। हम अक्सर किसी की एक गलती भी माफ नहीं कर पाते है, पर वह पिता ही होता है जो हजारो गलतियों के बावजूद भी अपने स्नेह में कोई कमी नहीं आने देता। उनके प्यार में कोई मिलावट दृष्टिगोचर नहीं होती। बच्चे की इच्छाओं की पूर्ति करने में उनके चेहरे में कभी कोई थकावट महसूस नहीं होती। सदैव हमें मधुर वाणी ही प्रिय लगती है, पर अंतत: ऐसे लोग हमारे काम नहीं आते। हमारा साथ नहीं देते, पर पिता कटु शब्द बोलकर भी दुःख में मरहम लगाने के लिए सदैव तैयार रहता है। पिता का कंधा ही बच्चे के लिए मजबूत नींव साबित होता है। पिता रूपी ढाल की कोई कीमत नहीं है। जिस तरह सूरज के होने से दिन देदीप्यमान होता है वैसे ही पिता भी सूरज की तरह गर्म जरूर होता है, परंतु बच्चे की छवि को प्रकाशवान बनाने के लिए उसका प्रयास वंदनीय है।

माँ का आशीर्वाद कर सकता चमत्कार। तो पिता भी सदैव कराते सत्य का साक्षात्कार॥

माँ है यदि जीवन में ठंडी छांव। तो पिता भी भरते जीवन के घाव॥

बच्चे की कामयाबी की उड़ान के पीछे पिता के पसीने की बूँदें शामिल होती है। पिता वह खुली किताब है जो केवल महत्वपूर्ण सबक सिखाने के लिए हमेशा बच्चे के लिए विलन भी बन जाते है। कभी-कभी इच्छाओं के विपरीत कठोर निर्णय सुनाते है। वे बच्चे के मन की प्रत्येक बात समझते है, पर वे बच्चे को जिंदगी का महत्वपूर्ण पाठ सिखाना चाहते है। उनकी छाया तो उसे सदैव संरक्षण प्रदान करती है पर वे चाहते है कि उनकी दूरी भी बच्चे को किसी विपत्ति में न डाले। पिता जो ख्वाहिशें पूरी कर सकते है वह तो हम अपनी ढेरों कमाई से भी पूरी नहीं कर सकते। पापा ने अपनी कम कमाई में भी मेरी कोई इच्छा कभी अधूरी नहीं छोड़ी। पिता की प्रत्येक डांट में प्यार ही समाहित होता है। बस उसकी कठोरता बालक को दुनिया से लड़ने के लिए तैयार करना चाहती है। पिता रूपी छत से ही पूरे परिवार को सुरक्षा प्राप्त होती है। पिता के कंधों की सुरक्षा बच्चे को संसार की भीड़ में गुमराह होने से बचाती है। बच्चे के लिए पिता तो हिम्मत, विश्वास, साहस और आशा का प्रतीक है। उनके झोले में तो हमेशा बच्चे की खुशियों की खरीददारी होती है। पापा आपके द्वारा दी गई पॉकेट मनी तो मेरे लिए जादुई खजाना थी।

माँ की कठिन है पालन-पोषण की साधना। तो पिता भी इस कड़ी में करते अनवरत मौन आराधना॥

माँ उतारती नजर हर बार। तो पिता भी रक्षा हेतु बन खड़ा रहता सदैव तलवार॥

माँ का साया बनाता खुशियों से मालामाल। तो पिता की देखरेख से जीवन होता निहाल॥

मुझे पता भी नहीं चला की जब भी मेरे कदम डगमगाये वे हमेशा मेरे पीछे ही खड़े थे और मैं लगातार सफलता की मंजिल पर पहुँच गया। उनके ख्यालों में भी हमेशा मेरा ही ख्याल रहता है। मेरे इच्छाओं की पूर्ति के अनुरूप ही उनकी घड़ी का विश्राम होता है। बच्चे के नखरों और फरमाइशों को पिता सदैव अपनी सर आँखों पर रखता है। गगनरूपी आकाश की गहराई अनंत है और इसी गगन का स्वरूप है पिता। उसकी गहराई की थाह को कोई नहीं समझ सकता। मेरे सपनों का साकार करने के लिए पिता को कई संघर्षों की दिन-रात व्यतीत करनी पड़ी है। जब भी मैंने एक गलती की तो उसके परिणामस्वरूप मुझे हजारों ठोकरें खानी पड़ी पर पता नहीं मेरे पिता ने मेरी इतनी गलतियों को कैसे बर्दाश्त किया होगा। मेरी हर समस्या का हल मेरे पापा है।

माँ की महिमा को तो मिलते अनेकों अलंकार। पर पिता ही दिलाते जीवन में सच्ची जय-जयकार॥

हर कष्ट की घड़ी में हम माँ को पुकारते। पर हमेशा पिता पीछे खड़े रहकर जीवन को संवारते।।

डॉ. रीना कहती, माँ अगर है धरा का रूप। तो पिता है अडिग सुरक्षा स्तम्भ का स्वरूप॥

पिता शब्द की व्याख्या तो असंभव है। वह तो सही मायनों में जिंदगी की परिभाषा का सरल अर्थ है। मेरे होठों की मुस्कान और आँखों में खुशी का समुंदर मेरे पापा की वजह से है। पापा आप ऐसे अडिग स्तम्भ है जिनके संरक्षण में बच्चे को एक ऐसा सुरक्षा कवच प्राप्त होता है जिससे उसे बाहरी बुराइयाँ, दुःख, पीड़ा एवं अंधकार महसूस ही नहीं होता। पिता एक ऐसा अनूठा व्यक्तित्व है जो केवल बच्चों के जीवन में प्रकाश का प्रसार करना चाहता है। पिता एक ऐसी अमूल्य निधि स्वरूप है जो सदैव बच्चे की खुशियों के संयोजन में ही स्वयं खर्च हो जाता है।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका), 1

वीरोचित भाव जगाए मातृशक्ति

(लेखिका- डॉ. वंदना सेन)

- रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस पर विशेष

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोंपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की। जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुलेरूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया।वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं। उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, वानपुर के राजा मर्दनसिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था।

शालू और गुलाबी फ्रॉक

बाल कहानी

मैं यह पिक फ्रॉक लेकर रहूंगी।' शालू ने मम्मी से जोर देकर कहा। 'पर तुम्हारे पास तो ऐसी कई फ्रॉक हैं बेटी' मम्मी ने उसे मनाते हुए कहा। उस समय तो शालू उनकी बात मान गई, लेकिन उसे रात में भी उसी फ्रॉक के सपने आते रहे..

उसने सपने में देखा कि उसकी मम्मी ने वही पिक फ्रॉक उसे दिला दी है और वह बहुत खुश है। सुबह हो गई थी, इसलिए मम्मी ने उसे जगाया। उठते ही वह उनके गले लग गई। 'अरे शालू क्या हुआ?' मम्मी ने पूछा तो उसने सपने वाली बात उन्हें बता दी। वे हंस पड़ीं और उन्होंने उसे समझाया कि यह हकीकत नहीं, सपना था। उनके इतना कहते ही शालू उदास हो गई। वह सचमुच उस फ्रॉक को खरीदना चाहती थी।

उस दिन रविवार था। इसलिए वह नाश्ता कर अपनी सहेली के घर खेलने के लिए निकल पड़ी। सहेली का घर थोड़ी दूरी पर था, इसलिए मम्मी उसे छोड़ने जा रही थीं। तभी रास्ते में शालू ने सड़क किनारे बैठी हुई एक लड़की को देखा। उसके कपड़े फटे-पुराने और गंदे थे। शालू ने मम्मी से पूछा, 'इस लड़की के कपड़े ऐसे क्यों हैं?' तो उन्होंने जवाब दिया, ' बेटी, वह बहुत गरीब है और उसके पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े भी नहीं हैं। वह अपना पेट भरने के लिए भीख मांग रही है। उसकी तरह और भी कई लोग हैं, जिनके पास न पेट भरने के लिए भोजन है और न पहनने के लिए कपड़ा और न रहने के लिए घर। ' शालू को यह सुनकर बहुत आश्चर्य हुआ। उसके मन में कई सवाल थे। जैसे कि ऐसे लोग कहां से आते हैं और इन्हें ऐसा कौन बनाता है आदि। लेकिन इन सब सवालों के जवाब जानने के लिए वह बहुत छोटी थी। इसलिए उसकी मम्मी ने इन सब बातों को समझने के लिए उस पर दबाव भी नहीं डाला। जब शालू अपनी सहेली के घर से वापस आ रही थी, तो सामने दुकान में वही पिक फ्रॉक टंगी दिखाई दी। मम्मी ने बिना कुछ कहे उसे वह फ्रॉक दिला दी, लेकिन शालू इससे खुश नहीं हुई। चलते-चलते वे लोग उसी जगह पहुंच गए, जहां वह लड़की भीख मांग रही थी। शालू रुक गई। उसने उनके हाथों से फ्रॉक ले ली और उस लड़की को दे आई। फ्रॉक देखकर उस लड़की की आंखें नम हो गई, लेकिन वह कुछ कह नहीं पाई। आज शालू कहने को एक आम लड़की थी, पर उस बेसहारा के लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं..

बाल कविता

घर की रौनक

मुन्नाजी को रसगुल्लों का,
स्वाद बहुत अच्छा लगता है।
खाना गरम समोसे उसके
बाद बहुत अच्छा लगता है।
बापू गरम समोसे लाते,
सबके हृदय कमल, खिल जाते।
पुड़िया खुलती रसगुल्लों की,
झूम झूम उस पर सब जाते।
अम्मा का देना बापू को,
दाद बहुत अच्छा लगता है।
जब–जब गरम जलेबी आती,
दादा की बांछें खिल जातीं
नरम मुंगोड़े अम्माजी से,
दादी घर पर ही बनवाती।
दादाजी करते बचपन की,
याद बहुत अच्छा लगता है।
बड़े बुजुर्गों के रहने से,
घर की रौनक बनी हुई है।
एक सुरक्षा कवच बना है,
सिर पर छतरी तनी हुई है।
घर को देते मिट्ठी पानी,
खाद बहुत अच्छा लगता है।
ढेरम ढेर दुआएं हरदम,
देते रहते जेठे स्याने।
बड़ी जतन से इन्हें रखा है,
घर में बापू ने अम्मा ने।
भरी रहे खुशियों से हरदम,
नाद बहुत अच्छा लगता है।

क्या तुम जानते हो

कीवी पक्षी के पंख नहीं होते

न्यूजीलैंड में पाया जाने वाला कीवी एक ऐसा पक्षी है जिसके पंख नहीं होते। पंख नहीं होने की वजह से यह पक्षी उड़ने में भी सक्षम नहीं होता। यह न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय पक्षी है और वहां के निवासियों को विश्व के अन्य भागों में कीवी नाम से ही बुलाया जाता है।इसी के नाम से मिलता-जुलता एक फल भी होता है।

कीवी, एपटरीगिडे परिवार और एपट्रीक्स जेनस का विश्व में पाया जाने वाला सबसे छोटा जीवित और न उड़ने वाला पक्षी है। कीवी की कुल 5 जाति पाई जाती हैं, जिनमें से 2 को आईयूसीएन के द्वारा अपनी रेड डाटा बुक में असुरक्षित श्रेणी और 1 को एनडेंजर्ड और 1 को क्रिटिकली एनडेंजर्ड श्रेणी में रखा है। इन्हें सबसे ज्यादा नुकसान जंगलों के कटने और घातक कीटनाशकों के प्रयोग से हुआ है। बाकी नुकसान इन्हें शिकारी पक्षियों के द्वारा भी हुआ है, इसीलिए इनके संरक्षण के प्रयास बड़े पैमाने पर किये जा रहे हैं।

आधुनिक शोधों से पता चलता है कि ये शतुरमुर्ग (ऑस्ट्रिच) से सबसे निकटतम रूप से संबंधित होता है। कीवी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी ग्रेट स्पटेड कीवी होती है। कीवी के पंख होते हैं, लेकिन उन्हें सहारा देने वाली कोई भी अस्थि इत्यादि उनके शारीरिक ढांचे में नहीं होता, इसीलिए ये उड़ने में सक्षम नहीं होते। जो पंख होते हैं वो इतने छोटे होते हैं कि शरीर के फरों में ही छिप जाते हैं। कीवी का वजन 1.5 से 3.3 किलो तक होता है। कीवी की चोंच लम्बी होती है। चोंच के किनारे नासालोम (नेजल्स) भी पाए जाते हैं, जिनसे इन्हें अपने शिकार को पकड़ने में मदद मिलती है।

मिल गए दोस्त

कमल और विमल की दोस्ती पूरे स्कूल में मशहूर थी। विमल थोड़ा कान का कच्चा था। एक दिन सोमेश ने विमल के कान में कुछ फुसफुसाकर कहा- तुम्हारी क्रिकेट टीम तुम्हारी वजह से जीतती है, लेकिन इसका श्रेय कमल को मिलता है। सोमेश ने विमल को कमल के खिलाफ भड़काने की कोशिश की।

दरअसल, कमल और विमल न केवल अच्छे दोस्त थे, बल्कि दोनों अपने स्कूल में क्रिकेट के बढ़िया खिलाड़ी भी थे। अगले सप्ताह स्कूल में एक मैच की प्रतियोगिता होनी थी। सोमेश विपक्षी टीम का खिलाड़ी था। वह जानता था कि दोनों दोस्तों के एक साथ रहते उसकी टीम का जीतना संभव नहीं है। इसलिए उसने विमल को भड़काकर टीम से अलग करने की योजना बनाई। उसने विमल को कमल के खिलाफ खूब भड़काया। अगले दिन कमल ने महसूस किया कि विमल उससे दूर भाग रहा है। उसने इसकी वजह जानने की खूब कोशिश की, लेकिन सब बेकार। दूसरे दिन जैसे ही कमल को टीम का कप्तान बनाने की बात हुई, तो विमल ने इसका विरोध कर दिया। उसने खुद कप्तान बनने की पेशकश की। उनके क्लास टीचर कुछ बोलते, इससे पहले कमल कह उठा, 'सर आप विमल को ही कप्तान बनाइए, क्योंकि यह हमारी टीम का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। लाख समझाने के बावजूद कमल अपनी बात पर अड़ा रहा। अंत में विमल को कप्तान बनाने का निर्णय लिया गया। विमल जल्दी से जल्दी यह खुशखबरी सोमेश को सुनाना चाहता था। इसलिए वह उसके घर चला गया। वह अभी दरवाजा खटखटाने वाला ही था कि भीतर से आती आवाज सुन ठिठक गया। सोमेश कह रहा था, 'हां, यार मैं अपनी योजना में सफल हूं। कमल व विमल के बीच जो दरार पैदा हुई है, उसका अंजाम अब विद्यालय भोगेगा। अब उनकी टीम की जीत पराजय में तब्दील हो जाएगी। यह सुनकर विमल उलटे पांव लौट आया। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह किस मुंह से कमल से माफी मांगे। उसने तुरंत राघव से सारी बात बता दी। यह सुनकर राघव प्रसन्न हुआ और उसने सारी बात कमल को बता दी। कमल ने आकर विमल को गले लगा लिया। विमल ने उसी समय प्रतिज्ञा ली कि अब वह अफवाहों पर ध्यान नहीं देगा। दूसरे दिन सर्वसम्मति से कमल को कप्तानी सौंप दी गई।

सदियों से चली आ रही है जोकर की हंसी

जब भी तुम अपने मम्मी-पापा के साथ किसी सर्कस में जाते होगे तो वहां तुम्हें कुछ मिले या ना मिले लेकिन जोकर जरूर मिलेगा। इतना ही नहीं जोकर ताश के पत्तों में भी बहुत अहम भूमिका निभाता है। जी हां, जोकर इतिहास के पन्नों में दज ह। यह अभी नहीं ना जाने कब से लोगों को हसांने का काम कर रहा है। बस अलग है तो सिर्फ बोलने, हंसने और हसांने का स्टाइल। वहीं बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार रहा करते थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग और अनोखी पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया गया है।

विदूषक- भारत
जेमी- इटली
बोहोक- हंगरी
चोउ- चीन
पयासो- स्पेन
ऑगस्ते- फ्रांस

2000 के नोट बैंकों में वापसी से बढ़ा डिपॉजिट

- 2 जून तक वापस आए 3.26 लाख करोड़ रुपए

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक का 2000 रुपए के नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने का फैसला देश के बैंकों के लिए डिपॉजिट बढ़ाने वाला साबित हुआ है। आरबीआई ने 23 मई से 2000 रुपए के नोट वापस लेने या बैंक खातों में जमा कराने के लिए कहा था जिसके बाद बैंकों के पास भारी संख्या में 2000 रुपए के नोट आ रहे हैं। इसे ही लेकर बड़ा आंकड़ा सामने आया है। 2 जून को खत्म हुए पखवाड़े में कमर्शियल बैंकों द्वारा 2000 रुपए के नोटों की शक्ल में जमा की गई करेंसी 3.26 लाख करोड़ रुपए बढ़कर रही है। इसके दम पर बैंकों का डिपॉजिट 187.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के वीकली स्टेटिस्टकल सप्लीमेंट में ये डेटा दिया गया है और इसके मुताबिक केवल 15 दिनों में देश के बैंकिंग सिस्टम में 2000 रुपए के तौर पर 3.26 लाख करोड़ रुपए आ गए थे जिसके बाद डिपॉजिट बढ़कर 187.02 लाख करोड़ रुपए पर आ चुका है। इसके अंतर्गत टर्म डिपॉजिट बढ़कर 2.65 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है और डिमांड डिपॉजिट की रकम 7,60,968 करोड़ रुपए पर आ गई है। इन 2000 रुपए के नोटों के बैंकों में लौटने की बदौलत ही इस साल 11.8 फीसदी की डिपॉजिट ग्रोथ रही है और इसके पिछले साल की तुलना में ये अच्छा आंकड़ा है। इससे पिछले साल ये 9.8 फीसदी पर आई थी।

साल के आखिरी तक खुल सकते हैं 10 हजार जन-औषधि केंद्र

नई दिल्ली । सरकार ने जन-औषधि केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी करने के लिए आवेदन मंगाए हैं और इस वर्ष के आखिरी तक ऐसे लगभग 10,000 केंद्रों का परिचालन होने की उम्मीद है। भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि दधीच ने कहा कि देशभर में इस वर्ष के आखिरी तक 10,000 जन औषधि केंद्रों का परिचालन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछली 31 मई तक देश भर में कुल 9,484 जन औषधि केंद्र सक्रिय थे। दधीच ने गुरुग्राम स्थित केंद्रीय भंडारगृह में संवाददाताओं से कहा कि इन केंद्रों को स्थापित करने के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत देशभर में चार भंडारगृह हैं जो गुरुग्राम, चेन्नई, गुवाहाटी और सूरत में मौजूद हैं। गुरुग्राम स्थित केंद्रीय भंडार गृह सबसे बड़ा है। पीएमबीजेपी फिलहाल 1,800 दवाइयों के साथ-साथ शल्य क्रिया के 285 उपकरण गुणवत्ता से समझौता किए बिना काफी किफायती कीमतों पर उपलब्ध करा रहा है।

वीवो वाय 35 पर दिया जा रहा 1,500 रुपये का डिस्काउंट

नईदिल्ली । चाइनीज कंपनी वीवो द्वारा अपने ऑनलाइन स्टोर पर वीवो वाय 35 पर डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह डिस्काउंट 1,500 रुपये का है। ग्राहक अब इसे 16,999 रुपये में खरीद सकते हैं।इस फोन के सिंगल 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट को 18,499 रुपये में लॉन्च किया गया था। चुनिंदा फोन मॉडल्स पर यहां एक्सचेंज डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।हालांकि, एक्सचेंज की वैल्यू फोन मॉडल और उसकी कंडीशन पर निर्भर करेगी।आईसीआईसीआई या एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन्स पर ग्राहकों को 500 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट भी मिलेगा।इस फोन में वर्चुअल रैम का भी सपोर्ट दिया गया है।ऐसे में 8जीबी स्टोरेज का इस्तेमाल रैम के तौर पर किया जा सकता है।यानी यूजर्स प्रभावी तौर पर 16जीबी रैम का इस्तेमाल कर सकेंगे। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में 50एमपी प्राइमरी कैमरा, 2एमपी डेप्थ सेंसर और 2एमपी मैक्रो कैमरा दिया गया है।सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन के फंट में 16एमपी का कैमरा मौजूद है। वीवो वाय35 के स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो इसमें 90 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.58-इंच फुल-एचडी+ (1,080×2,408 पिक्सल) एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है।इस फोन में 5000एमएएच की बैटरी 44 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ मिलती है।ये फोन 8जीबी रैम और क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 680 प्रोसेसर के साथ आता है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 जून तक 36 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 15 जून तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 36 फीसदी बढ़कर 3.78 लाख करोड़ रुपए रहा। कंपनियों और व्यक्तिगत करदाताओं से ज्यादा अग्रिम कर मिलने के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ा है। कर संग्रह में वृद्धि से कंपनियों का प्रदर्शन सुधरने और आर्थिक वृद्धि तेज होने के संकेत मिलते हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही (1 अप्रैल से 1 जून तक) में सरकार को 1.16 लाख करोड़ रुपए का अग्रिम कर प्राप्त हुआ है। इसमें अग्रिम निगमित कर 92,173 करोड़ रुपए और अग्रिम व्यक्तिगत आयकर 23,513 करोड़ रुपए रहा। अग्रिम कर की पहली किस्त जमा करने की अंतिम तारीख 15 जून थी। कर संग्रह बढ़ने में अग्रिम कर के अलावा स्रोत पर कर कटौती का भी बड़ा योगदान रहा। टीडीएस मद में करीब 2.69 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। सरकार के अधिकारियों ने बताया कि कर संग्रह का यह शुरुआती आंकड़ा है और बैंकों से अधिक जानकारी मिलने पर आंकड़ों में इजाफा होने की उम्मीद है। किसी भी वित्त वर्ष में कंपनियां और व्यक्तिगत करदाता चार किस्तों में अग्रिम कर चुकाते हैं। पहली तिमाही के तौर पर अनुमानित कर देनदारी का 15 फीसदी हिस्सा पहली तिमाही में भरना होता है। इसके बाद सितंबर और दिसंबर तिमाही में कुल कर देनदारी का 25-25 फीसदी का भुगतान किया जाता है तथा शेष 35 फीसदी कर का भुगतान मार्च में किया जाता है।

कर प्राप्ति के आंकड़ों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 1 अप्रैल से 15 जून तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 35.32 फीसदी बढ़कर 3.78 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि में 2.80 लाख करोड़ रुपए ही था।

इस दौरान शुद्ध कर संग्रह चालू वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य 18.2 लाख करोड़ रुपए का 20.77 फीसदी रहा। इनमें निगमित कर के तौर पर 1.87 लाख करोड़ रुपए और व्यक्तिगत आयकर मद में 2.26 लाख करोड़ रुपए मिले। कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 4.18 लाख करोड़ रुपए रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 39,390 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया जा चुका है। प्रतिभूति लेन-देन कर संग्रह भी 4,731 करोड़ रुपए के साथ अच्छा रहा। इसके अलावा स्वयं आकलन कर भरा गया कर 19,834 करोड़ रुपए, नियमित आकलन कर 9,911 करोड़ रुपए और लाभांश वितरण कर 908 करोड़ रुपए रहा।

दो घंटे बाद बहाल हुईं फेसबुक और इंस्ट्राग्राम की सेवाएं

नई दिल्ली । मेटा के मालिकाना हक वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्ट्राग्राम की सेवाएं दो घंटे के बाद फिर से बहाल कर दी गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेसबुक और इंस्ट्राग्राम ने व्यापक आउटेज का सामना किया, जिससे बड़ी संख्या में यूजर्स को परेशानी उठानी पड़ी। रिपोर्ट में कहा गया कि तकरीबन 8,000 से अधिक यूजर्स को फेसबुक एक्सेस करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जबकि लगभग 3,000 यूजर्स इंस्ट्राग्राम को एक्सेस नहीं कर पाए। हजारों यूजर्स को प्रभावित करने वाले आउटेज के बाद, मेंटा ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके सोशल मीडिया एप्लिकेशन, फेसबुक और इंस्ट्राग्राम पर सेवाओं को दो घंटे से अधिक समय के बाद सफलतापूर्वक बहाल कर दी गई है। कुल मिलाकर लगभग 20,000 यूजर्स ने मेटा के सोशल मीडिया एप्लिकेशन फेसबुक, इंस्ट्राग्राम और वाटसएप को एक्सेस करने में कठिनाई की सूचना दी। रिपोर्ट में कहा गया कि आउटेज रिपोर्ट की संख्या 500 से नीचे आ गई थी। बता दें कि पिछले महीने भी इंस्टाग्राम डाउन हो गया था। अधिकांश यूजर्स के लिए सेवाएं फिर से बहाल करने के बाद कंपनी ने कहा था कि एक तकनीकी समस्या के बाद हजारों लोग सेवाओं को एक्सेस नहीं कर पा रहे थे। पिछले महीने, कंपनी ने आउटेज से प्रभावित यूजर्स की संख्या का खुलासा नहीं किया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 593.749 अरब डॉलर रहा

- पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 595.06 बिलियन डॉलर रहा था

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर गिरावट देखने को मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक 9 जून 2023 को समाप्त सप्ताह पर विदेशी मुद्रा भंडार 1.31 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 593.74 बिलियन डॉलर पर आ गया है। इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 595.06 बिलियन डॉलर रहा था। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार में 1.31 बिलियन डॉलर की कमी आई और ये घटकर 593.74 बिलियन डॉलर पर आ गई है। आरबीआई डेटा के अनुसार विदेशी करेंसी एसेट्स 1.12 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 525.07 अरब डॉलर पर आ चुका है। सोने के रिजर्व में भी गिरावट आई है। गोल्ड रिजर्व 183 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 45.37 बिलियन डॉलर पर चुकी है। आईएमएफ के पास मौजूद रिजर्व में 8 मिलियन डॉलर की कमी आई है और ये घटकर 5.11 बिलियन डॉलर पर आ चुका है। भारत का विदेशी मुद्रा का अब तक सबसे उच्च स्ते र अक्टूबर 2021 में देखने को मिला था जब विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर पर जा पहुंचा था और इन स्तरों से विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार 16 जून को `विनिमय बाजार` विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती आई है। एक डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे के सुधार 81.94 रुपए पर बंद हुआ है। 2022 में रुपए में डॉलर के मुकाबले आई कमजोरी के बाद आरबीआई को डॉलर बेचना पड़ा था, तो विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 525 बिलियन डॉलर पर आ गया था। हालांकि निचले स्तर से विदेशी मुद्रा भंडार में सुधार देखने को मिला है। आरबीआई के डॉलर बेचने के फैसले ने आरबीआई ने बचाव भी किया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि एक्सचेंज रेट में स्टैबिलिटी के चलते ये फैसला लिया गया था।

ब्रिटेन अब भारत से नहीं लेगा आयातित स्टेनलेस स्टील छड़ पर प्रतिकारी शुल्क

मुंबई ।

ब्रिटेन की सरकार ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं पर अधिक असर न होने पर भारत से आयातित स्टेनलेस स्टील की छड़ और सरिया पर लगाए गए प्रतिकारी शुल्क को हटाने की घोषणा की है। ब्रिटेन के व्यापार उपचार प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा कि भारत से स्टेनलेस स्टील की रॉड और सरिया के आयात को हतोत्साहित करने के लिए लगाए गए 4 फीसदी शुल्क को हटाने की उसकी अनुशंसा सरकार ने स्वीकार कर ली है।अपने मूल देश में सरकारी सब्सिडी मिलने से अपेक्षाकृत कम कीमत पर बेचे जाने वाले उत्पादों के आयात को हतोत्साहित करने के लिए प्रतिकारी शुल्क लगाया जाता है। ये विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत स्वीकृत तीन प्रकार के व्यापारिक उपायों में से एक हैं। हालांकि टीआरए ने कहा कि भारत से सब्सिडी वाले उत्पाद का आयात जारी रहने से ब्रिटेन के उद्योगों को नुकसान होने की आशंका नहीं रह गई है। इसे ध्यान में रखते हुए शुल्क को हटाया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022 में भारत ब्रिटेन के लिए टन भार में स्टेनलेस स्टील बार और रॉड का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत था। उपाय का मतलब था कि आयातकों को जीरो से 4 फीसदी के टैरिफ का भुगतान करना जरूरी था। हालांकि टीआरए की जांच में पाया गया कि न तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों या ऐतिहासिक क्षति के आंकड़ों ने सुझाव दिया कि अगर उपाय रद्द कर दिया गया तो ब्रिटेन के उत्पादकों को ठेस पहुंचेगी। ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री सहित अलग-अलग उद्योगों में स्टेनलेस स्टील बार और छड़ का उपयोग किया जाता है।

सॉफ्टबैंक खुले बाजार में पेटीएम और जोमेटो के कुछ शेयर बेचेगी

नई दिल्ली । सॉफ्टबैंक पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस और ज़ोमैटो में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचना चाहती है। इसका मकसद मुनाफावसूली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सॉफ्टबैंक ब्लॉक डील के बजाय खुले बाजार में दोनों कंपनियों के शेयरों को छोटे हिस्सों में बेच सकता है। जापान के इस निवेश समूह ने जोमेटो के शेयर के लिए लगभग 65-70 रुपए और पेटीएम के शेयर के लिए 830-840 रुपए का भुगतान किया था। 15 जून को पेटीएम के शेयर 900 रुपए और जोमेटो के शेयर 74.95 रुपए पर बंद हुआ था। पेटीएम ने इस साल लगभग 70 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जबकि जोमेटो ने 24 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। इन कंपनियों की वित्तीय सेहत में सुधार का असर इनके शेयरों पर पड़ा है। सॉफ्टबैंक भुगतान प्रमुख पेटीएम और फूड एग्रीगेटर जोमेटो की लिस्टिंग के बाद पहली बार उनके शेयरों को लाभ में बेचेगी। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 2021 में हुई थी। इससे पहले इस जापानी बैंक ने ज्यादातर शेयर घाटे में ही बेचे हैं। पेटीएम ने इस साल 68 फीसदी से अधिक की कमाई की है और जोमेटो ने 76 रुपए के अपने आईपीओ मूल्य को पार कर लिया है। सॉफ्टबैंक के पास पेटीएम में 11.17 फीसदी और जोमेटो में 3.4 फीसदी हिस्सेदारी है। सॉफ्टबैंक, भारत के सबसे सक्रिय स्टार्टअप निवेशकों में से एक है, जिसने 20 से अधिक यूनिकॉर्न में निवेश किया है।

दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के शेनझेन में 27वें ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ ग्रेटर बे एरिया इंटरनेशनल ऑटो शो में पहुंचे लोग।

ओरेकल ने अपनी हैल्थ यूनिट से सैकड़ों कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली ।

अमेरिकी दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल ने अपनी हेल्थ यूनिट से सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। ओरेकल की हेल्थ यूनिट कनेंर में पिछले महीने ही छंटनी हुई थी। कंपनी ने पिछले साल दिसंबर में 28.3 अरब डॉलर में इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड फर्म कनेंर का अधिग्रहण किया था, जो अब तक का सबसे बड़ा सौदा है। रिपोर्ट के अनुसार कनेंर को अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स ने काम पर रखा था।

कनेंर को इस अमेरिकी डिपार्टमेंट के होममेड मेडिकल रिकॉर्ड को कनेंर की टेक्नोलॉजी से बदलना है। इस काम से जुड़ी चुनौतियों के कारण ओरेकल ने छंटनी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हटाए गए कर्मचारियों को चार हफ्ते के बराबर वेतन, जितने साल काम किया है, उतने हफ्ते के बराबर अतिरिक्त सैलरी और छुट्टी के दिनों का पैसा दिया जाएगा। कंपनी ने पिछले महीने ही मई में भारी संख्या में छंटनी की थी। करीब 3,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया था। एक पूर्व कर्मचारी का हवाला देते हुए रिपोर्ट में तब कहा गया था कि छंटनी, मार्केटिंग, इंजीनियरिंग, लेखा, कानूनी और उत्पाद सहित टीमों में हुई थी। दूसरी ओर, ओरेकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भुना रहा है, क्योंकि इसने कोहेरे, ओपनएआई के एक प्रतियोगी, ने पिछले हफ्ते फंडिंग राउंड में 270 मिलियन डॉलर जुटाए।

घोषणा के बाद, कंपनी के संस्थापक लैरी एलिसन ने ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को पीछे छोड़ चौथा स्थान हासिल किया।

कच्चा तेल महंगा, कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ी

- ब्रेंट क्रूड 0.94 डॉलर की गिरावट के साथ 76.61 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को हल्की बढ़त दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.16 डॉलर घटकर 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.94 डॉलर की गिरावट के साथ 76.61 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पंजाब में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 58 पैसे सस्ता हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 46 और डीजल में 43 पैसे की गिरावट है। गुजरात में भी पेट्रोल सस्ता हुआ है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, तमिलनाडु में भी ईंधन के दाम गिरे हैं। दूसरी ओर तेलंगाना में पेट्रोल 1.48 रुपए और डीजल 1.39 रुपए महंगा हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 55 और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और गोवा में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपए और डीजल 94.40 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

भारत ने मूडी से सॉवरेन रेटिंग अपग्रेड करने का कहा

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिका की रेटिंग फर्म मूडीज से अपनी सॉवरेन रेटिंग में अपडेट करने के लिए कहा है और साथ ही रेटिंग एजेंसी के मापदंडों पर भी सवाल उठाया, जिनके आधार पर वह रेटिंग तय करती है। सॉवरेन रेटिंग की अपनी वार्षिक समीक्षा से पहले मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस के अधिकारियों ने भारत सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारतीय इकॉनमी में सुधारों और मजबूत बुनियादी बातों पर प्रकाश डाला। भारत के लिए एक हायर रेटिंग का मतलब होगा कि देश में पैसा लगाने पर जोखिम कम है और कम ब्याज दरों पर उधार पर उपलब्ध है। बता दें कि मूडीज इवेस्टर्स सर्विस ने भारत को स्टेबल आउटलुक के साथ बीएए3 रेटिंग दी हुई है, जो निवेश का सबसे निचला ग्रेड है। बैठक के बाद एक अधिकारी ने कहा` कि मूडीज ने भारतीय इकॉनमी के पॉजिटिव पहलुओं को स्वीकार किया है। हमें उम्मीद है कि मूडीज हमारी रेटिंग को अपग्रेड करेगी। अधिकारियों ने मूडीज से इसके रेटिंग तय करने वाले मापदंडों पर भी सवाल उठाए। अधिकारियों ने भारत में चल रहे आर्थिक सुधारों को रखने के अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट और 600 अरब डॉलर के फॉरेक्स रिजर्व का भी हवाला दिया। साथ ही सरकारी अधिकारियों ने मूडीज से इसके रेटिंग तय करने वाले मापदंडों पर भी सवाल उठाए। भारत दरअसल लंबे समय से क्रेडिट रेटिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की तरफ से अपनाई जा रही कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता रहा है और उन्हें अधिक पारदर्शी और कम सब्जेक्टिव बनने के लिए कहता आ रहा है।

वेस्टइंडीज दौरे से पहले इशान किशन जाएंगे एनसीए, फिटनेस पर देंगे ध्यान

मुंबई। (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन और कुछ अन्य अनुबंधित खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के कैरेबियाई दौरे से पहले 'स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग' (पूर्ण फिटनेस) से संबंधित काम के लिए अगले सप्ताह बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जायेंगे। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के पूर्ण दौरे पर दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेलेगीं। इस दौरे का आगाज 12 जुलाई को टेस्ट श्रृंखला से होगा, जिसके लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम तीन जुलाई को भारत से रवाना हो सकती है।

आम तौर पर जब दो अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के बीच समय होता है तो बोर्ड के केंद्रीय अनुबंधित और राष्ट्रीय टीम में स्थान के दावेदार खिलाड़ियों (जो किसी भी घरेलू टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हो) को उनकी फिटनेस के आकलन के लिए एनसीए बुलाया जाता है। भारतीय घरेलू सत्र का आगाज 28 जून से दलीप ट्रॉफी के साथ होगा। इसके सभी मुकाबले बेंगलुरु में खेले जायेंगे। दलीप ट्रॉफी का फाइनल 12 से 16 जुलाई तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। किशन ने इस टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला किया है। दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में पूर्वी क्षेत्र का सामना मध्य क्षेत्र से अलूर में होगा। किशन के पास इस मैच के जरिये खुद को भारतीय टेस्ट टीम में विकेटकीपर के तौर पर स्थापित करने का मौका था।

श्रीकर भरत अब तक मिले मौके को भुनाने में नाकाम रहे हैं लेकिन दलीप ट्रॉफी में किशन के नहीं खेलने के फैसले से यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर गंभीर है? इशान से जुड़े एक करीबी सूत्र ने शनिवार को कहा, '' इशान पिछले दिसंबर से नियमित रूप से भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद इंग्लैंड से आने पर एक छोटा ब्रेक लिया था।'' उन्होंने बताया, '' वह अगले सप्ताह के शुरुआती दिनों में एनसीए जायेंगे। वह इस दौरान अपने प्रशिक्षण और वेस्टइंडीज दौरे की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अगर उन्हें मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला तो वह सीमित ओवर के मैचों (27 जुलाई को पहला एकदिवसीय) में लगभग दो महीने के बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेलेंगे। उन्होंने अपना पिछला मैच 26 मई को इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था।

इंटरकांटिनेंटल कप के फाइनल में भिड़ेंगी भारत और लेबनान, 2018 का करिश्मा दौहराएगी टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम इंटरकांटिनेंटल कप के फाइनल में रविवार को जब लेबनान के खिलाफ मैदान में उतरेगी उसके सामने 2018 की सफलता को दोहराने की चुनौती होगी। यह मुकाबला इस लिए भी रोमांचक होगा क्योंकि भारतीय कोच इगोर स्टिमक और लेबनान के उनके समकक्ष अलेक्जेंडर इलिक स्पेन के क्लब सिडिज सीएफ के लिए 1994 में एक साथ खेल चुके हैं। दोनों एक दूसरे का पूरा सम्मान करते हैं लेकिन स्टिमक चाहेंगे कि फाइनल में उनकी टीम लेबनान के खिलाफ राउंड रोबिन मैच के दौरान की गयी गलतियों को ना दोहराये।

गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले में भारतीय टीम के पास गोल करने के दो आसान मौके थे लेकिन टीम इसे भुनाने में नाकाम रही थी। अनिरुद्ध थापा इस मैच के चौथे मिनट में आसान मौके पर चूक गये थे। यही चीज दिग्गज सुनील छेत्री के साथ भी हुई। क्रोएशिया के इस कोच ने मंगोलिया, वानुआतु और लेबनान के खिलाफ अब तक के सभी तीन मैचों में टीम में बड़ा बदलाव किया और उनकी इस तरह की रणनीति खिताबी मुकाबले में भी आश्चर्यचकित कर सकती है। भारत ने 2018 में इस टूर्नामेंट के फाइनल में कीनिया को 2-0 से हराकर खिताब जीता था लेकिन 2019 में इसके अगले सत्र में टीम चौथे और अंतिम स्थान पर रही थी। मंगोलिया के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज करने के बाद वानुआतु को छेत्री के गोल के दम पर 1-0 ये हराया था।

कोच ने लेबनान के खिलाफ मैच में 10 बदलाव किए, जिसमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और छेत्री को शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिली। डिफेंडर संदेश झिंगन ने लेबनान के खिलाफ छेत्री की अनुपस्थिति में कप्तानी का दारोमदार संभाला। फाइनल मैच की पूर्व संध्या पर स्टिमक ने कहा, '' पिछले मैच में हम गोल नहीं कर सके थे लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ गलत किया है। मुझे नहीं लगता कि हमें चीजों को बदलने की जरूरत है। हमें अधिक गति और ऊर्जा वाले खिलाड़ियों की आवश्यकता है, जो लेबनान द्वारा खेले जाने वाले शारीरिक खेल का जवाब देने के लिए तैयार हैं।''

फ्रांस में 1998 में खेले गये विश्व कप में तीसरे स्थान पर रही क्रोएशियाई टीम के सदस्य रहे स्टिमक ने कहा, '' हमने खिलाड़ियों को एक ही संदेश दिया है कि शांत और एकाग्र रहें। अपनी नजर गेंद पर रखें और सुनिश्चित करें कि मौकों को गोल में बदला जाये।'' उन्होंने कहा कि टीम के लिए एकमात्र चिंता की बात इशान पंडिता का चोटिल होना है। पंडिता को वानुआतु के खिलाफ मैच में जांघ पर चोट लग गयी थी। यह मैच शाम 07:30 बजे से खेला जायेगा।

अहमदाबाद में वर्ल्ड कप खेलने से पाक का इनकार, अफरीदी ने लिया आड़े हाथों

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप खेलने से पाकिस्तान ने इनकार कर दिया है, इसके बाद पाक के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पीसीबी को आड़े हाथों लिया है। गौरतलब है कि भारत की मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी वर्ल्डकप को शुरू होने में अब 3 माह से कुछ अधिक वक्त शेष रह गया है, लेकिन टूर्नामेंट का शेड्यूल को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शेड्यूल में देरी की एक बड़ी वजह सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत के खिलाफ वर्ल्ड कप का लीग मैच खेलने को रजामंद नहीं है और यही वर्ल्ड कप शेड्यूल के ऐलान में देर की मुख्य वजह मानी जा रही है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने मामले में पीसीबी को उसके रवैये के लिए आड़े हाथ लिया है। जानकारी के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही टूर्नामेंट का ड्राफ्ट का शेड्यूल क्रिकेट की शीर्ष संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के साथ साझा कर चुका है, जिसे फीडबैक के लिए सभी संबंधित क्रिकेट बोर्ड को भेजा जा चुका है। इस ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक, टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को होगी और 15 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर होगी। ये मुकाबला अहमदाबाद में प्रस्तावित है, लेकिन पीसीबी अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेलने को राजी नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के अधिकारियों ने हाल ही में पाकिस्तान का दौरा किया था। पीसीबी की मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन नजम सेठी ने उन्हें बताया है कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि उसका कोई भी मैच अहमदाबाद में रखा जाए जब तक कि यह कोई नॉकआउट मुकाबला न हो। मतलब साफ है, पाकिस्तान टीम अहमदाबाद में अपना लीग मैच खेलने की इच्छुक नहीं है। शाहिद अफरीदी ने इस मामले में पीसीबी को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। एक स्थानीय न्यूज चैनल से बात करते हुए अफरीदी ने कहा कि वे अहमदाबाद में खेलने से इनकार क्यों कर रहे हैं? क्या यह आग उगलती है या प्रेत बाधा से ग्रसित है। 'बूम-बूम अफरीदी'ने कहा- जाओ,खेलो और जीतो। यदि कोई पूर्व निर्धारित चुनौतियां हैं तो इससे पार पाने का एकमात्र तरीका जीत है।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ दर्ज की तीसरी सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट मैच में 546 रन से शिकस्त दी है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने टेस्ट क्रिकेट की रिकॉर्ड बुक को भी तितर-बितर कर दिया है। मेजबान टीम ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में रनों के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। साथ ही पिछले 90 साल में किसी भी टीम द्वारा दर्ज की गई यह सबसे बड़ी जीत भी है।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में 546 रन से हराया। रनों के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट में दर्ज की गई यह तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इसके पहले, साल 1928 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 675 रन से हराया, तब 1934 में कंगारू टीम ने इंग्लैंड को 562 रन से रौंदा था। यानी बांग्लादेश ने पिछले 90 साल में टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत का स्वाद चखा है।

बांग्लादेश से जीत के लिए मिले 662 रन के लक्ष्य के जवाब में अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में महज 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पहली इनिंग की तरह ही दूसरी पारी में भी अफगानिस्तान का कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। दूसरी इनिंग में टीम की ओर से सर्वाधिक 30 रन रहमत शाह के बल्ले से निकले। गेंदबाजी में तस्कीन अहमद ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि शोरिफुल इस्लाम ने तीन विकेट झटके।

बांग्लादेश के बल्लेबाजों का दोनों ही पारियों में बोलबाला रहा। पहली इनिंग में टीम ने नजमुल हुसैन शान्तो की 146 रन की शानदार पारी के बूते 382 रन बोर्ड पर लगाए। शान्तो के अलावा हसन जॉय ने 76 रन का योगदान दिया। वहीं, मुशफिकुर रहीम ने 47, तब मेहंदी हसन मिराज ने 48 रन बनाए। दूसरी इनिंग में भी शान्तो के बल्ले से शतकीय पारी निकली और उन्होंने 124 रन जड़े। वहीं, मोमिनुल हक ने भी 121 रन जड़े, तो जाकीर हसन ने 71 और लिटन दास ने नाबाद 66 रन बनाए। दूसरी इनिंग में बांग्लादेश ने 4 विकेट खोकर 425 रन बनाने के बाद अपनी पारी घोषित की और अफगानिस्तान के समाने 662 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा।

यूनुस का दावा, वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल जरूर खेलेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली । दिग्गज बल्लेबाज यूनुस खान ने दावा किया है कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप जरूर खेलेगा। उन्होंने विश्वास जताया है कि भारत में इसी वर्ष होने वाले आईसीसी वर्ल्डकप में पाकिस्तान टीम सेमीफाइनल में पहुंचने के कामयाब रहेगी। वर्ष 2009 में पाकिस्तान को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्डकप जिताने वाले यूनुस ने कहा कि टीम में मैच विनर्स की भरमार है जो किसी भी दिन आपको मैच में जीत दिला सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि पाकिस्तान टॉप-4 में जगह बनाने में सफल रहेगी। टीम में कई मैच विनर हैं' इसके बावजूद उन्होंने हर मैच में मजबूत योजना बनाकर उतरने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हमारे पास हमेशा की तरह बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं और ये हमारी बड़ी ताकत है। हमें एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा।' भारत के खिलाफ मैच को लेकर यूनुस ने कहा कि कप्तान बाबर आजम और अन्य प्लेयर्स को तनाव में आए बिना दिमाग को शांत रखना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ मैच हमेशा तनाव से भरपूर होता है। बाबर को इसमें जीत के लिए प्लान ए और बी तैयार रखना होगा। गौरतलब है कि 50 ओवर्स के आईसीसी वर्ल्डकप में पाकिस्तान टीम अब तक भारत को नहीं हरा पाई है। दोनों टीमों के बीच वर्ल्डकप में अब तक 7 मुकाबले हुए हैं और हर बार बाजी टीम इंडिया ने मारी है। यहां तक कि टी20 वर्ल्डकप में भी पाकिस्तान ने भारत को पहली बार 2021 में ही हराया है। जबकि यूनुस खान टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की ओर से 10 हजार से अधिक रन बनाने वाले इकलौते बैटर हैं। जावेद मियांदाद, जहीर अब्बास और मोहम्मद यूसुफ (पूर्व नाम यूसुफ योहाना) भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सके हैं। वर्ल्डकप के टेंटेटिव कार्यक्रम के अनुसार, पाकिस्तान टीम क्वालिफाई करने वाली दो टीमों के खिलाफ अपने मैच 6 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेलेगी।

इंडोनेशिया ओपनः सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची, प्रणय हारे

जकार्ता। (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की अनुभवी भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में कोरिया के मिन ह्युक कांग और सेउंग जे सेओ की जोड़ी को शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में एचएस प्रणय का अभियान सेमीफाइनल में हार के साथ खत्म हो गया। सातवीं वरीय भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में गैर वरीय कोरियाई जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में हार के बाद शानदार वापसी की। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले को 17-21 21-19 21-18 से जीता। इन दोनों जोड़ियों के बीच पांच मैचों में सात्विक और चिराग की जोड़ी की यह तीसरी जीत है।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी पहली बार सुपर 1000 स्तर के स्पर्धा के फाइनल में पहुंची है। खिताबी मुकाबले में इस जोड़ी के सामने इंडोनेशिया के प्रमुद्या कुसुमवर्धना एवं येरेमिया एरिक योचे याकूब रामबिटान और दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और वूई यिक सोह की जोड़ी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। प्रणय शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ अपने खेल का स्तर ऊपर उठाने में नाकाम रहे। डेनमार्क के खिलाड़ी ने इस मैच को 21-15 21-15 से जीत लिया। एक्सेलसेन ने दोनों गेम की शुरुआत में ही प्रणय पर बढ़त बना ली और भारतीय खिलाड़ी उनके स्कोर का पीछा करता रहा।

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में डेनमार्क के इस खिलाड़ी के खिलाफ प्रणय की यह छठी हार है। इससे पहले पुरुष युगल में मैच की शुरुआत में दोनों जोड़ियों ने बराबरी की टक्कर दी लेकिन कोरियाई जोड़ी ने 6-3 की बढ़त बना ली।

कोरियाई जोड़ी के बढ़त हासिल करने बाद भारतीय जोड़ी बस उसका पीछा ही करती रही। सात्विक और चिराग ने आक्रामक खेल के दम पर बढ़त कम करने की कोशिश लेकिन 20-17 स्कोर होने के बाद कोरियाई जोड़ी ने उनकी गलती का फायदा उठा कर पहला गेम जीत लिया। पहला गेम गंवाने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए 6-3 और फिर 11-4 की बढ़त बना ली। कांग और सेओ की जोड़ी ने इसके बाद अच्छी वापसी की और स्कोर को 18-15 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस गेम को जीत लिया। तीसरे गेम में दोनों का स्कोर 5-5 था लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार सात अंक हासिल कर 12-5 की बढ़त हासिल कर ली। कोरियाई जोड़ी ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए स्कोर 16-16 कर दिया। चिराग और सात्विक ने इसके बाद दबाव में अपना दमखम दिखाया और जीत दर्ज कर ली।

मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे नीरज चोपड़ा

पानीपत । देश के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा अपनी मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे हैं। वह बहुत जल्द ठीक हो जाएंगे हैं। इसकी जानकारी एएफआई के कोच राधाकृष्णन नायर ने भुवनेश्वर में इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि चोट के कारण यूरोप में बैक-टू-बैक टूर्नामेंट से चूकने वाले नीरज चोपड़ा के इस महीने के अंत तक फिट होने की उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने पिछले सप्ताह अपना प्रशिक्षण शुरू किया और इस महीने के अंत तक स्वास्थ होने वाले हैं। हालांकि नीरज पहले की तरह प्रैक्टिस में दमखम नहीं दिखा पा रहे हैं। लेकिन वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बता दें कि नीरज ने पावो नूरमी खेलों से अपना नाम वापस ले लिया था। ये प्रतियोगिता 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में हुई थी। मई में दोहा डायमंड लीग जीतकर अपने सीजन की शुरुआत करने वाले नीरज चोपड़ा ने 4 जून में नीदरलैंड में हुई एफबीके गेम्स में भी हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने बताया था कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गेम्स से नाम वापस लिया है। ये मांसपेशियां अभ्यास के दौरान खींची थी। इसकारण नीरज ने पावो नूरमी गेम्स में भी भाग नहीं लिया था। वहीं 2024 के ओलिंपिक के करीब आने के साथ, इस साल के टूर्नामेंट मौजूदा विश्व नंबर 1 के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। चूंकि वह पावो नूरमी खेलों में भाग नहीं ले रहे हैं, इसलिए उनका अगला बड़ा टूर्नामेंट कुओर्टेन गेम्स है, जिसके बाद लुसाने डायमंड लीग है।

पहलवानों ने अगस्त में ट्राय कराने का खेल मंत्रालय से अनुरोध किया

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) से संपर्क कर एशियाई खेलों के लिए देश की कुश्ती टीम का विवरण मुहैया कराने की तारीख 15 जुलाई से बढ़ाने की मांग की क्योंकि पहलवानों ने खेल मंत्रालय से अगस्त में ट्राय कराने का अनुरोध किया है। आईओए को 15 जुलाई तक सभी वर्गों की सूची ओसीए को देनी है। डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने सभी राष्ट्रीय महासंघों को 30 जून तक अपने संबंधित चयनित खिलाड़ियों के अंतिम सूची जमा करने को कहा है। बजरंग पूनिया सहित विरोध करने वाले पहलवान अब एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें शारीरिक फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। ये पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे विरोध प्रदर्शन के कारण तैयारी नहीं कर सके है। बताया जाता हैं कि पहलवानों ने उप खेल सचिव एसपीएस तोमर को पत्र लिखा था और मंत्रालय के अधिकारी ने अनुरोध को डब्ल्यूएफआई की तदर्थ निकाय को भेज दिया। आईओए के एक सूत्र ने पुष्टि कर बताया कि तदर्थ समिति ने आईओए से संपर्क किया था, जिसने समय सीमा बढ़ाने के लिए ओसीए को पत्र लिखा है। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हां, हमें वह पत्र मिला था जो पहलवानों द्वारा लिखा गया था। इस पर यह निर्णय लिया गया कि अगर वे पहलवानों के लिए समय सीमा बढ़ाने के इच्छुक हैं, तब ओसीए का विचार लिया जा सकता है।'' तदर्थ समिति जून के अंतिम सप्ताह में ट्रायल कराने का इच्छुक है ताकि सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को दी गई 30 जून की समय सीमा से पहले आईओए को नाम दिए जा सकें। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोऊ में होगा। मौजूदा एशियाई खेलों के चैम्पियन बजरंग ने बहलगर साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में अपना प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने साथी जितेंद्र किन्हा के साथ अभ्यास किया। बजरंग 65 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करते है अगर ट्रायल की तारीखों को बढ़ाया गया तब उन्हें इस में सुरजीत कलाकल से चुनौती मिल सकती है। सुरजीत 65 किग्रा वर्ग में अंडर 23 एशियाई चैम्पियन हैं।

रूट का शतक, इंगलैंड 393 पर घोषित, ऑस्ट्रेलिया 14/0

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड ने एशेज श्रृंखला के शुरूआती मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 'बाजबॉल रणनीति लागू कर 393 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 152 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। जो रूट के अलावा बेयरस्टो ने 78 तब जक क्राउली ने 61 रनों का योगदान दिया। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने चार ओवर में 14 रन बना लिए हैं। क्रीज पर डेविड वार्नर और उसमान ख्वाजा बने हुए हैं।

इंग्लैंड ने एजबस्टन में बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था लेकिन चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड ने पारी के चौथे ओवर में सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच करवाया। मैच की पहली गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर चौका जड़ने वाले क्राउली ने 56 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड के उपकप्तान पोप को अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने पगबाधा किया। कमिंस के खिलाफ क्राउली के चौके से इंग्लैंड ने 21वें ओवर में रनों का शतक पूरा किया।

रूट ने एक छोर संभालते हुए हैरी ब्रूक के साथ स्कोर आगे बढ़ाया। हैरी ब्रूक 32 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आऊट हो गए। बेन स्टोक्स सिर्फ एक ही रन बना पाए। उन्हें जेहलवुड ने शिकार बनाया। इसके बाद बेयरस्टो ने बैजबाल को परिभाषित किया और 78 गेंदों में 78 रन का योगदान दिया। मोईन अली 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

खास बातें

मोईन अली टेस्ट संन्यास से वापसी करते हुए करीब दो साल में पहला टेस्ट खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने मिचेल स्टार्क की जगह हेजलवुड को चुना है। वह कमिंस और बोलैंड के साथ तेज आक्रमण की कमान संभाल रहे है।

आस्ट्रेलिया ने 2001 के बाद से इंग्लैंड में एशेज श्रृंखला नहीं जीती है, लेकिन हाल ही में भारत को हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियन बनी है।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

इंग्लैंड : बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो (विकेट कीपर), मोइन अली, स्टुअर्ट ब्रॉड, ओली रॉबिन्सन, जेम्स एंडरसन।

ऑस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मारनस लेबुस्चगने, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड।

केन्द्र और गुजरात सरकार समेत प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से चक्रवात से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ : अमित शाह

अहमदाबाद। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के बाद उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री आज दिल्ली से सीधे कच्छ पहुंचे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ अमित शाह ने चक्रवात प्रभावित कच्छ जिले का हवाई निरीक्षण किया। साथ ही शेल्टर होम और अस्पताल में उपचाराधीन लोगों समेत एनडीआरएफ के जवानों से मुलाकात की। बाद में अमित शाह ने पत्रकार परिषद में बताया कि चक्रवाती तूफान के बारे में 6 जून को खबर मिलने के बाद मन में कई आशंका थी, लेकिन आज संतोष के साथ मैं यह कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से लेकर तलाटी समेत निर्वाचित प्रतिनिधियों और प्रशासन ने बेहतर काम किया। उन्होंने कहा कि कम से कम नुकसान के लक्ष्य के साथ काम करने से चक्रवात की आपदा से निपटने में हम सफल हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है विस्थापित लोगों को उनके घर पहुंचाना है। सहायता को लेकर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि उसकी एक पेटर्न है और उसेक आधार गुजरात सरकार राहत पैकेज तैयार कर उसकी घोषणा करेगी। फिलहाल बिजली और पानी आपूर्ति की प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों समेत एनजीओ ने समय पर मिली सूचना का उपयोग कर जान-माल को किस प्रकार बचाया जाए, इस दिशा में काम किया है। टीम वर्क का उत्तम उदाहरण गुजरात सरकार ने पेश किया है। अमित शाह ने चक्रवात से एक भी मानव मृत्यु नहीं हुई। चक्रवात में केवल 4। लोग घायल हुए हैं। आगामी 20 जून तक चक्रवात प्रभावित सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने मांडवी के उप जिला अस्पताल का भी दौरा किया। चक्रवात से पूर्व जिला प्रशासन की ओर से एहतियात के तौर पर गर्भवती महिलाओं को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमित शाह ने उन सभी माताओं के साथ बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी, जिनका चक्रवात के दौरान प्रसव हुआ था। इसके अलावा, उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं का हालचाल पूछकर उन्हें अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। गृह मंत्री अमित शाह ने मांडवी-नलिया रोड पर स्थित काठड़ा गांव में आर्य फार्म का दौरा किया। उन्होंने वहां स्थानीय किसानों, किसान संघ के नेताओं और ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनसे फसल नुकसान की जानकारी हासिल की। किसानों ने केंद्रीय गृह मंत्री को अनार और सूखी खजूर की फसल को हुए नुकसान के बारे में बताया। इस दौरान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चक्रवात के बाद कच्छ की परिस्थिति के विषय में जानकारी दी।

अवैध दरगाह को हटाने पर भड़के लोग, पुलिस से झड़प में एक की मौत

जूनागढ़।
एक अवैध दरगाह को हटाने के दौरान लोग पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गुजरात के जूनागढ़ में एक अवैध दरगाह को हटाने को लेकर जमकर बवाल मचा। दरअसल, दरगाह के अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन ने पहले नोटिस जारी किया था जिसे लेकर लोग भड़क गए और पुलिस कर्मियों के साथ भिड़ गए। इस दौरान उपद्रवियों की इस भीड़ ने मजेवड़ी चौक स्थित पुलिस चौकी पर पथराव किया। वहीं शुक्रवार की रात भड़की झड़पों में एक व्यक्ति की कथित रूप से मौत हो गई, जिसमें लोगों के एक बड़े समूह ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। जूनागढ़ नगर निगम ने सड़क के बीचोबीच बनी अवैध निर्माण दरगाह को नोटिस जारी कर पांच दिनों के भीतर दस्तावेज पेश करने को कहा है। जिस पर कथित अतिक्रमण विरोधी अभियान से नाराज, 500-600 लोग मजेवाड़ी गेट के पास स्थित दरगाह के पास एकत्र हुए और पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया, संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस वाहनों में आग लगा दी।

जूनागढ़ के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने बताया कि मजेवाड़ी गेट के पास एक मस्जिद को जूनागढ़ नगर निगम द्वारा पांच दिनों के भीतर दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस दिया गया था। कल लगभग 500-600 लोग वहां जमा हुए थे। पुलिस समझाने की कोशिश कर रही थी। प्रदर्शनकारियों को सड़क जाम नहीं करना चाहिए। एसपी ने कहा रात करीब 10.15 बजे पथराव किया गया और लोगों ने पुलिस पर हमला किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। इस घटना में कुछ पुलिस कर्मी घायल हो गए। हमने 174 लोगों को घेर लिया है। पथराव के कारण एक नागरिक की प्रथम दृष्टया मौत हो गई है। आगे की जांच जारी है।

हरिओम हिंदी विद्यालय में योग शिविर का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। बड़ोद गांव स्थित हरिओम हिंदी विद्यालय में योग शिविर का आयोजन किया गया था इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य बोर्ड सूरत सिटी कोऑर्डिनेटर विजय रदाडिया और राहुल तिवारी जी के मार्गदर्शक में संदीप उपाध्याय संयोजक वार्ड हरिओम हिंदी विद्यालय में योगासन का शिविर आयोजन किया गया लोगों में उत्साह के साथ भाग्य साथ ही पूर्व महामंत्री डॉक्टर चंद्रकांत सिंह उपस्थिति।

उत्तरी गुजरात का मूशलाधार बारिश से बुरा हाल, निचले इलाके हुए जलमग्न

अहमदाबाद ।
चक्रवाती तूफान बिपरजॉय गुजर चुका है, लेकिन उसका असर अब भी गुजरात में बरकरार है। उत्तर गुजरात के बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा और साबरकांठा में रेड अलर्ट जारी किया गया है। 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा और ठंडरस्टोर्म एक्टिविटी के साथ मूशलाधार बारिश से उत्तरी गुजरात पानी पानी हो गया है। बनासकांठा, पाटन, साबरकांठा में भारी बारिश हो रही है। देर रात बनासकांठा में मूशलाधार बारिश होने से लोगों के घरों में पानी घुस गया है। आज भी बनासकांठा में भारी बारिश होने की संभावना है। बनासकांठा जिले की सभी तहसीलों में देर रात से तेज हवा के साथ मूशलाधार बारिश हो रही है। तेज हवा के कारण अनेकों पेड़ धराशायी हो गए हैं। जिले के पालनपुर में मूशलाधार बारिश होने के कारण अहमदाबाद-आबू रोड हाईवे पर यातायात ठप हो गया है। जिसकी वजह से वाहनों को पालनपुर से चंडीसर और वहां से वाघरोण होकर चित्रासणी होते हुए आबू रोड की की ओर डायवर्जन दिया गया है। आबू रोड से अहमदाबाद की ओर आनेवाले बड़े बड़े वाहन बड़ी मुश्किल से निकल पा रहे हैं। जबकि छोटे वाहन इस सड़क से गुजरना टाल रहे हैं। नेशनल हाईवे पर गड्ढे होने की वजह से एक कार पानी में फंस गई थी। कार चालक और स्थानीय लोगों ने उसे निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। जिसकी वजह से हाईवे पर जाम लग गया। दूसरी ओर मौसम विभाग ने बनासकांठा में अब भी भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताई है। बनासकांठा के सीमावर्ती क्षेत्र में तेज हवा से बीएसएफ चौकी को भारी नुकसान हुआ है। जिसकी वजह से चौकी में बीएसएफ जवानों का सामान अस्तव्यस्त हो गया। चौकी की छत उड़ जाने से भीतर पानी भर गया है। उत्तरी गुजरात के पाटन शहर और जिले में भी दो दिनों से बारिश हो रही है। जिसका जनजीवन पर बुरा प्रभाव हुआ है। लगातार बारिस होने से निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। इस कारण राहगिरों और वाहन चालकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पाटन का खालकशा पीर क्षेत्र निचला इलाका होने की वजह से यहां की 20 जितने सोसायटियों के लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। पिछले 24 घंटे में पाटन जिले की राधनपुर में 5.5 ईंच, सांतलपुर में 3 ईंच, हारिज में 3.5 ईंच, समी में 2.5 ईंच, पाटन में 2 ईंच, सिद्धपुर में 2 ईंच, सरस्वती में 1.5 ईंच, चाणस्मा और शंखेश्वर में 1 ईंच से अधिक बारिश की खबर है। भारी बारिश से उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले का हाल बुरा है। बीते 24 घंटों में साबरकांठा में 1 से 4 ईंच तक बारिश हुई है। जिसकी वजह से हिम्मतनगर समेत साबरकांठा के निचले इलाकों में पानी भर गया है।

IVY Growth द्वारा आयोजित ट्वेंटी वन बाय सेवेंटी टू के दूसरे संस्करण में पहुंचे 7,500 से अधिक लोग

सूरत भूमि, सूरत। सूरत स्थित अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम सक्षम करने वाले IVY Growth एसोसिएट्स की ओर से आयोजित स्टार्टअप समिट ट्वेंटी वन बाय सेवेंटी टू का दूसरा दिन खास रहा। समिट में शार्क टैंक फेम और क्ष्क्ष्क्ष के को फाउंडर अमन गुप्ता मौजूद रहे। उनके साथ आयोजकों ने फायर साइट चैट किया, जिसमें उन्होंने BoAT के सफर के साथ ही स्टेट्रेजी भी बताई। अमन गुप्ता ने उप-स्थत लोगों के सवालों के जवाब भी दिए। समिट के दूसरे दिन 7,500 लोगों ने हिस्सा लिया। शनिवार को पिचिंग के लिए सिलेक्ट किए गए 20 स्टार्टअप में से 10 स्टार्टअप को पिचिंग का अवसर मिला। अन्य दस स्टार्टअप रविवार को पिचिंग करेंगे। इन 20 स्टार्टअप में सूरत के चार स्टार्टअप भी शामिल हैं।

इसके अलावा शनिवार को किनोट्स और पैनल डिस्कशन का भी आयोजन हुआ, जिसमें सार्थक आहूजा और अर्जुन वैद्य ने स्टार्टअप पर विस्तृत जानकारी दी। इस आयोजन का उद्देश्य सूरत सहित गुजरात को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम नक्शे पर रखने का है। 200+ स्टार्टअप संस्थापकों, 500+ निवेशकों और उद्योग के नेताओं सहित 10,000 से अधिक लोग स्टार्टअप समिट में शामिल हो रहे हैं, जो इसे भारत में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्टार्टअप समिट बना देगा। यह आयोजन नेटवर्किंग, सीखने और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेगा। 50+ वीसी, 15+ एंजल नेटवर्क और 300+ एंजेल इन्वेस्टर्स की उपस्थिति के साथ इस कार्यक्रम ने स्टार्टअप्स और देश के शीर्ष के लिए अपने प्रस्तावों को प्रदर्शित करने तथा निवेशकों तक अपने विचारों पहुंचने एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

IVY Growth एसोसिएट्स के सह- संस्थापक रचित पोद्दार ने कहा, "20 से अधिक राज्यों के 5,000 लोगों ने ट्वेंटीवन बाय सेवेंटी टू के पहले संस्करण में भाग लिया था। 35 पार्टनर स्टार्टअप्स में से 15-17 स्टार्टअप्स में निवेशकों ने रुचि दिखाई और टर्म शीट प्राप्त की थी। अगले संस्करण उससे भी बड़ा और बेहतर होगा। प्रमुख वीसीएस जैसे एर्था वेंचर्स, वीकैट्स और ब्लूम वेंचर्स और सार्थक आहूजा, अर्जुन वैद्य, महावीर प्रताप शर्मा और 80 से अधिक उद्योग वक्ताओं का नेतृत्व होगा जो टेक्नोलोजी, बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप के लेटेस्ट ट्रेंड पर अपनी कुशलता और अंतर्दृष्टि साझा कर रहे हैं। समिट के मुख्य आकर्षण में से एक ट्रेलब्लेज़र माइन है। स्टार्टअप्स के लिए एक लाइव शार्क टैंक पिचिंग और धन इकठ्ठा वाला कार्यक्रम भी शामिल है। जिसमें चयनित स्टार्टअप्स को अपने विचारों को प्रतिष्ठित निवेशकों के एक पैनल के सामने रखने का अवसर दिया जा रहा है। इसके अलावा, 8 5 से अधिक स्टार्टअप अपने अभिनव उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। स्टार्टअप्स को संभावित निवेशकों और भागीदारों को अपनी पेशकश दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया जा रहा है। IVY Growth एसोसिएट्स भारत, यूके, यूएई, यूरोप और अफ्रीका के निवेशकों के साथ स्टार्टअप्स को जोड़कर सूरत को वैश्विक स्टार्टअप इकॉसिस्टम के मानचित्र पर लाने के मिशन पर है। यह उद्यमशीलता, अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए जो कल्पना की गई थी, उसे मूर्त रूप दे रहा है।

आयोजकों ने कहा, "हम सूरत को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम के मानचित्र पर रखना चाहते हैं, और ट्वेंटी- वन बाय सेवंटी- टू के साथ हम उद्यमिता में तेजी लाने, अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने और पूरे भारत में एंजेल निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक मंच बना रहे हैं और इस समिट में शामिल होने के लिए सभी को आमंत्रित कर रहे हैं। हम सूरत को भारत का अगला स्टार्टअप हब बनाने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। केवल डेढ़ साल में, IVY Growth ने अपने फंड से कुल 10 मिलियन (82 करोड़ रुपये) जुटाए और अपने नेटवर्क से सिंडिकेट फंड जिन कुछ स्टार्टअप्स में इसने निवेश किया है उनमें रेशमा मंडी, Zypp Electric और BlueSmart शामिल हैं।

शनिवार को श्री सावजीभाई पटेल की जीवन यात्रा को दर्शाने वाली पुस्तक 'कर्मशिल्पी' का विमोचन किया गया

सूरत। शनिवार 17 जून 2023 को शहर के प्रख्यात शिक्षाविद् श्री सावजीभाई पटेल की जीवन यात्रा की घटनाओं को दर्शाने वाली पुस्तक 'कर्मशिल्पी' का विमोचन सूरत में किया गया। कार्यक्रम में सूरत शहर के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति एवं शिक्षाविद् उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन भावनगरिया परिवार द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। श्री वल्लभभाई पटेल ने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत कर च्कर्मशिल्पीज पुस्तक विमोचन कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात पुस्तक का विमोचन अतिथियों एवं सावजीभाई पटेल के परिजनों द्वारा किया गया। च्खबर हैज चैनल द्वारा आयोजित एक लाइव इंटरव्यू के दौरान सावजीभाई पटेल ने अपनी जीवन यात्रा की यादगार घटनाओं को साझा किया। पुस्तक के लेखक श्री हरिकृष्णभाई शास्त्री ने पुस्तक के बारे में अपने अनुभव बताए। साथ ही, पीयूष जोशी ने किताब के अध्याय को पढ़कर लोगों को प्रभावित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं पूर्व शिक्षा मंत्री श्री नानूभाई वनानी एवं वनिता विश्राम महिला विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री दक्षेशभाई ठाकर ने भी इस अवसर पर उद्बोधन दिया. श्री रावजीभाई और श्री परबतभाई ने भी सावजीभाई पटेल के साथ पुरानी यादें और अनुभव साझा किए। सावजीभाई पटेल के छात्र और शहर के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. नीलेशभाई पुरुषोत्तम ने अपने जीवन में सावजीभाई पटेल के शेर के हिस्से का वर्णन किया। गोपीबेन, वैशालीबेन और शैलजाबेन, जो सावजीभाई पटेल के परिवार की बहू हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, ने भी अपने भाषण में सावजीभाई पटेल के योगदान और समाज और परिवार की निस्वार्थ सेवा की प्रशंसा की। अंत में सावजीभाई पटेल ने अपने भाषण में लोगों के प्यार, गर्मजोशी, सहयोग और भावनाओं के लिए धन्यवाद दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोग सावजीभाई पटेल के नेक, मेहनती और प्रेरक जीवन और एक सफल कार्यक्रम के साक्षी बने।

सोनी मैक्स पर होने जा रहा है ब्लॉकबस्टर रोमांटिक-कॉमेडी 'तू झूठी मैं मक्कार' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

देश में और इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार प्रदर्शन से धमाल मचाने के बाद, 'तू झूठी मैं मक्कार' टेलीविज़न पर प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। लव रंजन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रीमियर भारत के प्रमुख हिंदी फिल्म चैनल, सोनी मैक्स पर 25 जून को रात 8 बजे किया जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की प्रमुख जोड़ी के साथ बॉलीवुड के दिग्गज डिंपल कपाड़िया और बोनी कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस पर, फिल्म में अपनी मनोरंजक उपस्थिति से बॉलीवुड के दिल की धड़कन कार्तिक आर्यन और नुसरत भरुचा ने चार चाँद लगा दिए हैं।

फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' रोहन उर्फ मिकी (जिसका किरदार रणबीर निभा रहे हैं) और टिन्नी (जिसका किरदार श्रद्धा निभा रही हैं) के रिश्ते की कहानी बयां करती है। मिकी दिल्ली के एक अमीर परिवार से ताल्लुक रखता है और अपने दोस्त और बिज़नेस पार्टनर मनु (जिसका किरदार अनुभव सिंह बस्सी निभा रहे हैं) के साथ ब्रेक-अप कंसल्टेंट के रूप में काम करता है। मिकी और टिन्नी एक दूसरे से मिलते हैं और स्पेन में मनु की बैचलर ट्रिप के दौरान दोनों को एक-दूसरे से इश्क हो जाता है। लेकिन यह फिल्म बताती है कि आधुनिक समय में इश्क करना आसान नहीं है। यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसे सफर पर ले जाती है, जो मस्ती और मनोरंजन से भरपूर है, जब तक कि रोहन की ब्रेक अप सर्विस खुद पर पलटवार नहीं करती। इसके बाद की कहानी इस बारे में है कि इनकी जोड़ी अपने रिश्ते को कैसे निभाती है।

डायरेक्टर लव रंजन – "तू झूठी मैं मक्कार, एक रोम-कॉम है, जो एक आधुनिक कपल की चिंताओं और विविध अपेक्षाओं को रेखांकित करती है, जबकि साथ ही साथ यह पारिवारिक दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन करती है। फिल्म अपनेपन और खुशी का एहसास देती है, दर्शकों को हँसाती है, रोमांस का आनंद लेती है, कुछ पलों में भावुकता का एहसास कराती है और अंत में कुछ सीख भी देती है। हमें खुशी है कि यह फिल्म सोनी मैक्स पर अपनी टेलीविज़न रिलीज़ के माध्यम से देश के हर कोने में लोगों तक पहुँचने के लिए तैयार है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में दर्शक इस फिल्म को देख सकेंगे और अपने परिवारों के साथ इसका आनंद ले सकेंगे।"

मेहता वेल्थ ग्लोबल इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस के छठे संस्करण में 500 से अधिक एचएनआई निवेशक शामिल हुए

सूरत।
मेहता वेल्थ द्वारा आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन गुरुवार 15 जून को अवध यूटोपिया, सूरत में आयोजित किया गया। जीआईएस के इस छठे संस्करण में 500 से अधिक निवेशकों ने भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष जयंत सिन्हा, निवेश गुरु मधुसूदन केला, सुनील सिंघानिया, अमीषा वोरा और नायसर शाह मौजूद थे। इस आयोजन में SGCCI सिग्नेचर क्लब, SMCA, SGTPA, IBJA और Varachha Jewellers Association जैसे प्रतिष्ठित संघों ने योगदान दिया। यह कॉन्फ्रेंस टीम मेहता वेल्थ द्वारा भारतीय और वैश्विक बाजारों के बारे में निवेशकों को शिक्षित करने के लिए आयोजित एक वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम है। यह बात मेहता वेल्थ लिमिटेड के एमडी और सीईओ क्रूणाल मेहता ने कही

जयंत सिन्हा ने इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ जीवन पर एक प्रस्तुति दी और कहा कि यदि हरित प्रौद्योगिकियां ब्राउन प्रौद्योगिकियों की तुलना में अधिक लागत प्रभावी हैं, तो विकास के रास्ते जो हमें शुद्ध शून्य उत्सर्जन तक ले जाते हैं, भारत के लिए अच्छे होंगे। बेहतर अभी भी, बाजार आधारित दृष्टिकोण इन मार्गों को शक्ति प्रदान करेंगे। शुद्ध शून्य लाभ लोगों और ग्रह के लिए शुद्ध धनात्मक होगा निवेश गुरु मधुसूदन केला ने जोर देकर कहा कि सेंसेक्स निश्चित रूप से 100,000 तक पहुंच जाएगा, आपको बस धैर्य रखना होगा और भारत के विकास पर विश्वास करना होगा। अगले 25 वर्षों में, भारतीय जीडीपी लगभग 30 से 40 ट्रिलियन डॉलर होगी। युक्तियाँ आय सृजन के लिए हैं और पोर्टफोलियो प्रबंधन धन सृजन के लिए है।

सुनील सिंघानिया ने कहा, 卐सबसे अच्छा क्षेत्र और सबसे खराब कंपनी काम नहीं करती है, सबसे अच्छी कंपनी और सबसे खराब क्षेत्र काम नहीं करते हैं। जब उनसे निवेशकों के पैसे को दोगुना करने की उनकी क्षमता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उनके पास धन सृजन का केवल एक ही रहस्य है 卐 है – भारतीय शेयरों पर भरोसा करें और अपना पैसा उनमें लगाएं।

अमीषा वोरा ने अपनी विशेषज्ञता का हवाला देते हुए कहा, "अब हम भारत के स्वर्णिम दशक के मध्य में हैं। अपने पोर्टफोलियो को अत्यधिक जटिल बनाने के बजाय, भारत के विकास पथ में विश्वास रखें, भारतीय उद्यमी शेयरों को चुनें और उनमें निवेश करते रहें। अपनी दौलत बनाने में कभी देर नहीं होती इसलिए आज से ही निवेश करना शुरू कर दें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)